हिन्दी पाक्षिक

सेमन्या कणवघाटी

RNI No.: UTTHIN/2013/54659

वर्ष-13 अंक-15 हरिद्वार, सोमवार, 15 जून, 2026 मूल्य-दो रूपया मात्र पृष्ठ-8

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की गरिमामई उपस्थिति में आईएमए की पासिंग आउट परेड सम्पन्न

देहरादून,संवाददाता । राष्ट्रपति एवं भारतीय सशस्त्र सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मू की गरिमामयी उपस्थिति में शनिवार को देहरादून में भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में 158वें नियमित तथा 141वें तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम की भव्य पासिंग आउट परेड (पीओपी) सम्पन्न हुई। राष्ट्रपति ने मुख्य अतिथि एवं समीक्षा अधिकारी के रूप में परेड की सलामी ली तथा नवप्रशिक्षित सैन्य अधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रदान कीं। इस अवसर पर 481 भारतीय कैडेटों के साथ 16 मित्र देशों के 34 विदेशी कैडेट सैन्य अधिकारी के रूप में पास आउट हुए। राष्ट्रपति ने इसे भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा, मजबूत अंतरराष्ट्रीय मित्रता और रक्षा सहयोग का सशक्त प्रतीक बताया। अपने संबोधन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नव नियुक्त अधिकारियों को राष्ट्रसेवा, अनुशासन, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के उच्च आदर्शों का पालन करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सैन्य अधिकारी केवल देश की सीमाओं के प्रहरी नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के विश्वास, सम्मान और आकांक्षाओं के भी संरक्षक हैं। इस वर्ष की पासिंग आउट परेड की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि 9 महिला कैडेटों का सफलतापूर्वक पास आउट होना रहा। भारतीय सैन्य अकादमी के इतिहास में यह एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक अध्याय है, जो महिला सशक्तिकरण तथा महिला-नेतृत्व वाले विकास की दिशा में देश की प्रगतिशील सोच को प्रतिबिंबित करता है। राष्ट्रपति ने कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य और आधुनिक तकनीकी चुनौतियों के दौर में भारतीय सेना को नवाचार, आधुनिकता और अनुकूलनशीलता को निरंतर अपनाना होगा। उन्होंने युवा अधिकारियों से अग्रिम पंक्ति से नेतृत्व करने, उच्च नैतिक मूल्यों का पालन करने तथा सैनिकों के कल्याण और सैन्य प्रभावशीलता के बीच संतुलन बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, भारतीय सैन्य अकादमी के समादेशक लेफ्टिनेंट जनरल नागेन्द्र सिंह सहित सैन्य एवं नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, गणमान्य अतिथि तथा बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने इस गौरवपूर्ण क्षण के साक्षी बनकर नवप्रशिक्षित अधिकारियों का उत्साहवर्धन किया। राष्ट्रपति ने सभी नव नियुक्त सैन्य अधिकारियों को शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे राष्ट्र की सुरक्षा, सम्मान और अखंडता की रक्षा में

अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे तथा देश का गौरव बढ़ाएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने युवा अधिकारियों को नेतृत्व का वास्तविक अर्थ समझाते हुए कहा कि लीडरशिप सिर्फ कमान संभालने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह चरित्र, करुणा और पूर्ण प्रतिबद्धता का प्रतीक है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भविष्य की चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि आज का वैश्विक परिदृश्य और युद्ध के तौर-तरीके तेजी से बदल रहे हैं। ऐसे में भारतीय सेना को नई तकनीकों और उभरती सुरक्षा चुनौतियों का डटकर सामना करने के लिए हमेशा भविष्य के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने युवा अफसरों से आजीवन नई चीजें सीखते रहने, इनोवेशन को अपनाने और नैतिक मूल्यों पर आधारित नेतृत्व क्षमता विकसित करने का आह्वान किया। राष्ट्रपति ने ऑफिसर कैडेट से सैन्य अफसर बने अधिकारियों को याद दिलाया कि एक अच्छे अधिकारी की जिम्मेदारी सिर्फ सैनिकों का नेतृत्व करना नहीं, बल्कि एक अभिभावक की तरह उनकी देखभाल और सही मार्गदर्शन करना भी है। राष्ट्रपति ने देश के सबसे कठिन प्रशिक्षणों में से एक को सफलतापूर्वक पूरा करने पर सभी ऑफिसर कैडेट्स को बधाई दी। उन्होंने इस सफलता के पीछे कैडेट्स के परिवारों के त्याग और आईएमए के कमांडेंट व प्रशिक्षकों की कड़ी मेहनत की भी जमकर सराहना की। इस दौरान मित्र देशों से आए कैडेटों को शुभकामनाएं दी।

नेहरू का 60 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त, नरेंद्र मोदी बने देश के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री

हरिद्वार । देश के सियासी इतिहास में 10 जून 2026 की तारीख हमेशा के लिए दर्ज हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार 4,399 दिनों तक पद पर रहकर भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं। इस अभूतपूर्व और ऐतिहासिक महा-रिकॉर्ड के बनते ही देवभूमि उत्तराखंड के हरिद्वार में भाजपा पदाधिकारियों और संतों ने मिलकर गंगा पूजन किया। अखाड़ा परिषद् के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने इस पावन मौके पर साफ कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत हाथों में देश आज विकास के ऐसे नए कीर्तिमान छू रहा है जिसकी पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। उन्होंने विशेष तौर पर रेखांकित किया कि मोदी जी के कार्यकाल में सनातन संस्कृति का जो पुनर्जागरण हुआ है, वह पूरी तरह से अकल्पनीय और अद्भुत है। आज पूरा संत समाज प्रधानमंत्री की दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य के लिए मां गंगा से प्रार्थना कर रहा है। इस ऐतिहासिक घड़ी की गूंज देश की सियासत में कितनी गहरी है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि केंद्रीय कैबिनेट ने भी बाकायदा एक विशेष प्रस्ताव पास कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस अटूट कीर्तिमान की सराहना की है। पीएम मोदी ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का करीब छह दशक पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। नेहरू का निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में लगातार कार्यकाल 4,398 दिनों का था, जिसे मोदी जी ने पार कर लिया है। उत्तराखंड के कद्दावर नेता और कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने इस मौके पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी जी को देश में सर्वाधिक समय तक प्रधानमंत्री रहने का गौरव हासिल हुआ है। आज वह न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में स्थापित हो चुके हैं। विकसित भारत के महा-संकल्प को पूरा करने के लिए आज देश का हर नागरिक और समाज का हर वर्ग उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर मजबूती से खड़ा है। गंगा सभा के अध्यक्ष और राज्य मंत्री नितिन गौतम के साथ ही गंगा सभा के महामंत्री तन्मय वशिष्ठ ने भी इस गौरवशाली और ऐतिहासिक कार्यकाल के पूरा होने पर प्रधानमंत्री को अपनी ओर से बधाई और शुभकामनाएं भेजीं। दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से कहा कि नरेंद्र मोदी के सशक्त और साहसिक नेतृत्व में आज भारत न केवल आंतरिक और बाहरी रूप से पूरी तरह सुरक्षित है, बल्कि जमीन से लेकर अंतरिक्ष तक कामयाबी के नए झंडे गाड़ रहा है। इस महा-रिकॉर्ड के आंकड़ों को गहराई से देखें तो नरेंद्र मोदी का यह सफर सिर्फ केंद्र तक सीमित नहीं है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में 4,610 दिन और अब प्रधानमंत्री के रूप में 4,399 दिन पूरे करने के बाद वह निर्वाचित सरकार के प्रमुख के रूप में 9,000 से अधिक दिन पूरे कर चुके हैं। इस मामले में उन्होंने हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के कुल दिनों के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। हरिद्वार के वीआईपी घाट पर आयोजित इस भव्य गंगा पूजन कार्यक्रम के दौरान भाजपा संगठन के कई दिग्गज जमीन पर नजर आए। इसमें जिला महामंत्री हीरा सिंह बिष्ट, मंडल अध्यक्ष किशन बजाज और जिला उपाध्यक्ष तरुण नय्यर ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके साथ ही पूर्व प्रदेश मंत्री युवा मोर्चा दीपांशु विद्यार्थी, स्थानीय पार्षद मुकुल पराशर, विदित शर्मा, पूर्व मंडल महामंत्री अनिमेष शर्मा, मंडल महामंत्री देवेश ममगई, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष करण वर्मा, उज्जवल पंडित, सिद्धार्थ चक्रपाणि और विश्वास शर्मा सहित सैकड़ों समर्पित कार्यकर्ता इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ मौजूद रहे।

भाकियू (टिकैत) का चार दिन चलेगा किसान कुंभ

हरिद्वार । भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) का किसान कुंभ प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी लाल कोठी के पास होना है। जिसमें अन्य किसान संगठनों से भी अधिक संख्या भाकियू (टिकैत) की होती है। किसान कुंभ में देश के भिन्न भिन्न प्रदेशों से किसान पहुंचेंगे। उनके रहने, खाने की व्यवस्था के लिए किसान संगठन के साथ-साथ सिक्ख समाज भी लंगर में सहयोग करता है। भाकियू (टिकैत) का किसान कुंभ 15 से 18 जून तक होना है। इसी दौरान सोमवती अमावस्या का बड़ा स्नान भी है। लाखों की संख्या में श्रद्धालु हरकी पैड़ी पर स्नान के लिए पहुंचेंगे। वहीं पचास हजार से अधिक संख्या में किसान भी किसान कुंभ में पहुंचेंगे।अधिकतर किसान ट्रेन और बस द्वारा कार्यक्रम में पहुंचकर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे। ऐसे में प्रशासन के सामने स्नान में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ साथ किसानों को संभालने की चुनौती रहेगी। शनिवार से ही वाहनों का जाम लगना शुरू हो गया है। किसान कुंभ को सफल बनाने के लिए भाकियू (टिकैत) के पदाधिकारी प्रशासन से तालमेल बनाकर चल रहे हैं। गढ़वाल अध्यक्ष संजय चौधरी ने बताया कि लगभग 50 हजार से अधिक संख्या में किसान पहुंचेंगे उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। इसके लिए प्रशासन से भी सहयोग मांगा गया है। जिलाधिकारी, एसडीएम, नगर निगम, सिटी मजिस्ट्रेट, तहसीलदार, पुलिस प्रशासन आदि को इसकी जानकारी दे दी गई है। किसानों के लिए मेडिकल, भोजन, रहने और सुरक्षा की व्यवस्था का पूरा इंतजाम कर लिया गया है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत, राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत सहित प्रदेश अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष, प्रभारी और किसान उपस्थित रहेंगे। श्री गुरु नानक देव धर्म प्रचार समिति संरक्षक बाबा पंडत ने बताया कि चार दिन लगातार 24 घंटे किसानों के लिए लंगर सेवा की जाएगी। रोजाना हजारों किसानों के लिए लंगर बनाया जाएगा। अध्यक्ष सूबा सिंह ढिल्लों ने बताया कि संस्था के सदस्य दिन रात सेवा में हाजिर रहेंगे। पिछले वर्ष भी लंगर सेवा की गई थी। किसान देश के अन्नदाता हैं और सिक्ख समाज उनकी सेवा के लिए तत्पर है।

सम्पादकीय

देश की सुरक्षा एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 10 जून को संवैधानिक चुनाव पद्धति से चयनित सबसे अधिक कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री हो जायेंगे । मोदी देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का 4398 दिनों का रिकॉर्ड ध्वस्त कर 4399 दिन अपनी देश सेवा के पूर्ण करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी अपने मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री दोनों के कार्यकाल को जोड़कर 25 वर्षों के साथ ही 9007 दिनों की अनवरत राष्ट्र सेवा को भी पूर्ण करेंगे। यह उत्साही ,अविश्रांत, अनथक कर्मयोगी की यात्रा है । देश के विकास के लिए अनेक कीर्तिमान गढ़ने वाले कठोर निर्णयों के लिए तो 12 वर्षों का उनका कार्यकाल अविस्मरणीय रहेगा ही साथ-साथ देश की सुरक्षा के लिए भी उनके योगदान और भुलाया नहीं जा सकता । राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत का अनुपालन करते हुए उन्होंने आतंकवाद से प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को अपनाया । 13 जून 2014 को भारतीय सेना के साउथ ब्लॉक में स्थित रक्षा वॉर रूम में सेना उच्च अधिकारियों के साथ संवाद एवं रक्षा तैयारियों की समीक्षा कर ही अपनी सुरक्षा के प्रति प्राथमिकता को स्पष्ट कर दिया था। जब समस्त देश दीपावली पर दीपों से अपने-अपने घरों को प्रकाशमान करता है तब प्रधानमंत्री सीमा पर सुरक्षा में तैनात जवानों के बीच में उपस्थित रहकर देश उनके साथ है ऐसा संदेश देते हैं । सियाचिन से प्रारंभ कर 12 वर्षों में 12 स्थानों पर जाकर उन्होंने अपनी सीमा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट की है। आचार्य चाणक्य ने राष्ट्र की सुरक्षा के संदर्भ में कहा था कि मजबूत सेना के बिना राष्ट्र सुरक्षित नहीं रह सकता। 1962 में चाइना युद्ध में हमारी पराजय तथा 1964 में चाइना के परमाणु परीक्षण के बाद निर्मित निराशाजनक स्थिति से उबारने के लिए भारत को भी परमाणु शक्ति युक्त होना चाहिए , यह मांग जनसंघ ने 4 दिसम्बर 1964 को पटना अविवेशन में की थी। तब कांग्रेस सहित समस्त दलों ने इस माँग का उपहास किया था । जनसंघ के इसी संकल्प की पूर्ति को 11 मई 1998 को प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पोखरण विस्फोट कर पूर्ण किया था । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आने के बाद 2014 रक्षा विभाग का बजट 2.27 लाख की तुलना में 3 गुना 7.85 लाख करोड़ हो गया। आज हम 100 से अधिक देशों को अपने रक्षा उत्पाद बेच रहे हैं । अब हमारा निर्यात में 2014 की तुलना में 686 करोड़ से बढ़कर 2025 -26 में 38424 करोड़ अर्थात 56 गुना वृद्धि हुई है । अब हम हाइपर सोनिक मिसाइल , ब्रह्मोस ,बैलिस्टिक मिसाइल , एयर डिफेन्स एवं रडार सिस्टम को ध्वस्त करने वाले रुद्रम -2, प्रलय, आकाश एयर डिफेन्स मिसाइल बना रहे हैं । भारत का स्वदेशी आईएनएस विक्रांत, राफेल, एस - 400 विमानों से हम युक्त हैं। आर्मेनिया ने येरेवान रिपब्लिक स्क्वायर में भारत में बनी आकाश एयर डिफेन्स मिसाइल एवं पिनाका रॉकेट लौनचर्स का प्रदर्शन भारतीयों को मस्तक ऊँचा करता हैं। 15 अगस्त 2025 को लाल किला से प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वदेशी क्षमताओं, मेड इन इंडिया हथियारों ने सिद्ध किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा विदेशी निर्भरता पर नहीं टिक सकती। इसी का परिणाम ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने 22 मिनट में ही सभी निर्धारित लक्ष्य पूर्ण कर किए थे। 72000 करोड़ की लागत से तैयार होने वाली ग्रेट निकोबार परियोजना भारत की आर्थिक समृद्धि, सामुद्रिक रणनीति एवं सुरक्षा का आधार बनेगी। सेना में स्वदेशी रक्षा उत्पाद, रक्षा बजट में वृद्धि, सेना के आधुनिकीकरण के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा पर सफलता प्राप्त करना ऐतिहासिक कदम है । 2014 से पूर्व पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद चरम पर था। केवल कश्मीर ही नहीं देश का कोई शहर सुरक्षित नहीं था। मुंबई, जयपुर, दिल्ली, काशी सहित अनेक आतंकी घटनाएं आज भी हमको विचलित करती हैं। सुरक्षाबलों को आधुनिक शस्त्र, बुलेट प्रूफ जैकेट, टेरर फंडिंग पर रोक हेतु नो मनी फॉर टेरर जैसे कड़े कदम , एफएटीएफ के माध्यम से वित्तीय दबाव के साथ सर्जिकल एवं बालाकोट एयर स्ट्राइक के माध्यम से आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने का कार्य किया।

श्रम ही सफलता

विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं ।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैंद्य सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैंद्य मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए द्य यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती हैद्य जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता हैद्य यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है. मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिएद्यइसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है।

श्रद्धांजलि : गोल्डन बॉय शूटर

यूं अचानक जाना जसपाल राणा का

डॉ घनश्याम बादल

भारतीय खेल जगत के लिए 12 जून 2026 का दिन एक गहरे शोक का दिन बन गया, जब देश के महानतम निशानेबाजों में से एक, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शूटर और कोच जसपाल राणा के निधन का समाचार सामने आया। मात्र 49 वर्ष की आयु में उनका जाना न केवल भारतीय निशानेबाजी के लिए, बल्कि पूरे खेल जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। जिस खिलाड़ी ने दशकों तक अपने अचूक निशाने से भारत का तिरंगा विश्व मंच पर लहराया और बाद में प्रशिक्षक के रूप में नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को सफलता का मार्ग दिखाया, उसका इस प्रकार अचानक चले जाना विश्वास करना कठिन है।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी की धरती पर जन्मे जसपाल राणा ने उस समय भारतीय निशानेबाजी को पहचान दिलानी शुरू की, जब यह खेल देश में अपेक्षाकृत कम लोकप्रिय था। कम उम्र में ही उनकी प्रतिभा ने खेल विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित कर लिया था। उनके पिता नारायण सिंह राणा स्वयं शूटिंग से जुड़े रहे और उन्होंने ही अपने पुत्र की प्रतिभा को तराशने का कार्य किया। देखते ही देखते यह युवा खिलाड़ी भारतीय निशानेबाजी का पर्याय बन गया।

जसपाल राणा की उपलब्धियों की सूची इतनी लंबी है कि उसे संक्षेप में समेटना कठिन है। वे भारत के सबसे सफल कॉमनवेल्थ गेम्स खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। उन्होंने 1994 से 2006 के बीच आयोजित चार राष्ट्रमंडल खेलों में कुल 15 पदक जीते, जिनमें 9 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं। यह उपलब्धि उन्हें भारतीय खेल इतिहास के सर्वाधिक सफल खिलाड़ियों की श्रेणी में स्थापित करती है।

एशियाई खेलों में भी उनका प्रदर्शन असाधारण रहा। 1994 एशियन गेम्स में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। इसके बाद 2006 के एशियाई खेलों में उन्होंने 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल और 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया। सेंटर फायर पिस्टल प्रतियोगिता में उन्होंने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी भी की थी। एशियाई खेलों में उनके खाते में कुल आठ पदक दर्ज हैं, जो उनकी निरंतरता और उत्कृष्टता का प्रमाण हैं। देश ने भी उनकी उपलब्धियों का सम्मान किया। मात्र 18 वर्ष की आयु में उन्हें 1994 में प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार प्रदान किया गया। यह सम्मान प्राप्त करने वाले वे सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में शामिल थे। इसके बाद 1997 में उन्हें देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से अलंकृत किया गया। खेल जगत में उनकी सेवाओं और प्रशिक्षक के रूप में योगदान को देखते हुए वर्ष 2020 में उन्हें द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह एक दुर्लभ उपलब्धि है कि किसी खिलाड़ी को खिलाड़ी और प्रशिक्षक दोनों रूपों में देश के सर्वोच्च सम्मानों से नवाजा जाए। हालाँकि जसपाल राणा की महानता केवल उनके जीते गए पदकों तक सीमित नहीं थी। खेल जीवन के बाद उन्होंने भारतीय निशानेबाजी को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का बीड़ा उठाया। वे उन प्रशिक्षकों में रहे जिन्होंने खिलाड़ियों के भीतर आत्मविश्वास, अनुशासन और विजेता मानसिकता का विकास किया। भारतीय निशानेबाजी की नई पीढ़ी, विशेषकर मनु भाकर जैसी खिलाड़ियों की सफलता के पीछे उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। पेरिस ओलंपिक में मनु भाकर की ऐतिहासिक सफलता ने यह सिद्ध कर दिया था कि जसपाल राणा केवल महान खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि असाधारण गुरु भी थे।

उनके निधन के बाद प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों, खिलाड़ियों और खेल प्रशासकों ने जिस प्रकार शोक व्यक्त किया है, वह उनके प्रति देश के सम्मान को दर्शाता है। हर श्रद्धांजलि में एक ही भावना दिखाई देती है—भारतीय खेल जगत ने अपना एक सच्चा नायक खो दिया है।

जसपाल राणा का जीवन प्रतिभा परिश्रम और अनुशासन एक नायाब नमूना रहा है। उन्होंने ऐसे समय में भारत को शूटिंग में विश्वस्तरीय पहचान दिलाई, जब इस खेल के लिए संसाधन और सुविधाएँ सीमित थीं। आज भारतीय निशानेबाजी जिस ऊँचाई पर खड़ी है, उसकी मजबूत नींव रखने वालों में उनका नाम सबसे अग्रणी रहेगा। उनका असमय निधन इसलिए भी अधिक पीड़ादायक है क्योंकि वे अभी भी भारतीय शूटिंग के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। उनके अनुभव, मार्गदर्शन और नेतृत्व की देश को आगे भी आवश्यकता थी। उनके जाने से जो रिक्तता पैदा हुई है, उसे भर पाना आसान नहीं होगा। पदक जीतने वाले खिलाड़ी समय-समय पर आते रहेंगे, लेकिन खेल को दिशा देने वाले व्यक्तित्व विरले ही जन्म लेते हैं। आज जब हम जसपाल राणा को अंतिम विदाई दे रहे हैं, तब उनके द्वारा जीते गए स्वर्ण पदकों, स्थापित रिकॉर्डों और प्राप्त सम्मानों से कहीं अधिक उनकी वह विरासत स्मरणीय है जो उन्होंने आने वाली पीढ़ियों को सौंपी है। उनके निशाने ने केवल लक्ष्य भेदे नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीय युवाओं के सपनों को भी दिशा दी। भारतीय खेल इतिहास में उनका नाम सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। जसपाल राणा अब हमारे बीच नहीं हैं, परंतु उनकी उपलब्धियाँ, उनका संघर्ष, उनका समर्पण और उनके द्वारा तैयार किए गए खिलाड़ी आने वाले वर्षों तक उनकी जीवित स्मृति बने रहेंगे। भारतीय खेल जगत का यह सितारा भले ही अस्त हो गया हो, किंतु उसकी चमक कभी मंद नहीं पड़ेगी। भावभीनी श्रद्धांजलि।

सोमवती अमावस्या और वीकेंड पर यातायात व्यवस्था सख्त, दो दिन बंद रहेंगे भारी वाहन

हरिद्वार । वीकेंड और सोमवती अमावस्या स्नान पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष योजना लागू की है। इसके तहत रविवार और सोमवार को हरिद्वार में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आगामी दो दिनों में हरिद्वार में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। वीकेंड के साथ-साथ सोमवती अमावस्या का विशेष स्नान होने के कारण हाईवे, शहर के प्रमुख मार्गों और गंगा घाटों पर अत्यधिक भीड़ रहने का अनुमान है। इसे देखते हुए भारी वाहनों के प्रवेश को अस्थायी रूप से प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया गया है। सीओ ट्रैफिक बिपेंद्र सिंह ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि रविवार और सोमवार को शहर के हाईवे पर भारी वाहनों का संचालन बंद रहेगा।

तीन वर्षीय बेटी को साथ लेकर महिला लापता, गुमशुदगी दर्ज

हरिद्वार । रानीपुर क्षेत्र से एक महिला अपनी तीन वर्षीय बेटी को साथ लेकर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने रिश्तेदारों और संभावित स्थानों पर तलाश की, लेकिन दोनों का कोई सुराग नहीं लग सका। जिसके बाद शनिवार को पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर मनोहर भंडारी के मुताबिक ग्राम सलेमपुर महदूद निवासी इमरान पुत्र स्व. तहसीन ने बताया कि उनकी शादी करीब 19 वर्ष पहले जुल्फाना पुत्री इदरीश निवासी ग्राम भनेड़ा, कोतवाली मंगलौर, जिला हरिद्वार के साथ हुई थी। दंपति के पांच बच्चे हैं। इमरान के अनुसार उनकी पत्नी करीब 10 दिन पहले यह कहकर घर से निकली थी कि वह भगवानपुर स्थित अपनी मौसी के घर जा रही है, लेकिन वह वहां नहीं पहुंची और न ही वापस घर लौटी उन्होंने बताया कि पत्नी अपनी तीन वर्षीय बेटी को भी अपने साथ ले गई है। परिजनों ने सभी रिश्तेदारियों और अन्य संभावित स्थानों पर दोनों की तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल पाया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर महिला और बच्ची की तलाश शुरू कर दी है।

समाजवादी ने की मिशन 2027 को लेकर चर्चा

हरिद्वार । विधान सभा ज्वालापुर के ग्राम बंजारेवाला में समाजवादी पीडीए चौपाल का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र की जनसमस्याओं, सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा तथा मिशन 2027 को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज की एकता, सामाजिक समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का आह्वान किया।मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष महंत शुभम गिरी ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जाए। जिले के समस्त विधानसभाओं में चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान सुमन देवी, छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष ओशियाना यादव, रमाशंकर, युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष यादव, आंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राव धन्नू, मौसम अली, चौधरी महिपाल, पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राम सिंह सागर, विनोद गॉड सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किसानों ने समस्याओं का 16 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

हरिद्वार । भारतीय किसान यूनियन (धर्मेंद्र) के दो दिवसीय पंचायत शिविर के समापन पर किसानों की समस्याओं से जुड़ा 16 सूत्रीय ज्ञापन नायब तहसीलदार प्रताप सिंह को सौंपा गया। संगठन ने स्मार्ट मीटर, एमएसपी गारंटी कानून, बिजली बिल माफी और कृषि संकट समेत कई मुद्दों पर सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की। अलकनंदा मैदान में आयोजित समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि किसान आज डीजल, खाद और बढ़ती खेती लागत जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों के आंदोलन हमेशा प्रशासन को झकझोरने का काम करते हैं और अब संगठन प्रत्येक जिले में किसानों की समस्याओं का ज्ञापन प्रशासन को सौंपकर सरकार तक उनकी आवाज पहुंचाएगा। उन्होंने स्मार्ट मीटर योजना का विरोध करते हुए कहा कि यह किसानों के हित में नहीं है। साथ ही जल जीवन मिशन में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि कई गांवों में पानी की टंकियां होने के बावजूद जलापूर्ति नहीं हो रही है, जबकि कुछ स्थानों पर टंकियां तक नहीं बनाई गई हैं। धर्मेंद्र सिंह ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को खेती के लिए नुकसानदायक बताते हुए किसानों का बिजली बिल माफ करने और एमएसपी गारंटी कानून लागू करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि किसानों के अधिकारों की लड़ाई लंबी है और संगठन इसे मजबूती से आगे बढ़ाएगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री राकेश सिंह, राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुरेश तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप यादव, प्रदेश प्रभारी मायाराम यादव, महामंत्री कौशलेन्द्र सिंह, गिरीश द्विवेदी, संगीता रावत, अकबाल शंकर पांडे, अंजनी मिश्रा, लल्लू वैद्य, योगेंद्र सिंह, सलमू खान, मकसूद खान, पिंकी दिनकर, प्रभात पांडे, त्रिलोक तोमर, संगम लाल, अविनाश चौरसिया, रेनू गौतम, विमलेश आदि सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

चिंतन शिविर में भाकियू भानु ने किया चुनाव का ऐलान

हरिद्वार । भारतीय किसान यूनियन भानु ने देश में होने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से इसकी शुरुआत होगी। उन्होंने अपने संगठन को निर्वाचन आयोग से मान्यता दिलाई है। छात्र, ओबीसी, एससी, महिला और युवा मोर्चों का गठन कर दिया है। हरिद्वार के लालजीवाला में आयोजित तीन दिवसीय किसान चिंतन शिविर में ठाकुर भानु प्रताप ने चुनाव की घोषणा की। यह पहली बार नहीं है जब संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह की ओर से चुनावी राजनीति में उतरने की बात कही गई हो। इससे पहले भी विभिन्न कार्यक्रमों में चुनाव लड़ने और राजनीतिक विकल्प देने की घोषणाएं की जा चुकी हैं। लेकिन इस बार उन्होंने चुनाव का समय तय कर दिया है। 2027 यूपी चुनाव से चुनाव लड़ने की शुरुआत होगी और 2029 लोक सभा के साथ ही सभी निकाय और पंचायत चुनाव भी लड़ा जाएगा। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह ने कहा कि किसानों की समस्याओं को लेकर लंबे समय से संघर्ष करने के बावजूद सरकारों ने उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया, इसलिए अब राजनीतिक विकल्प के रूप में चुनावी मैदान में उतरने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान ठाकुर भानु प्रताप सिंह ने आज देश में लोकतंत्र राजतंत्र में बदल गया है, जिसे उनका संगठन धार देने का कार्य करेगा। दावा किया कि उनकी पार्टी आने वाले विधानसभा, लोकसभा और अन्य सभी चुनाव लड़ेगी। इस दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजब सिंह कसाना, राष्ट्रीय महासचिव नितिन चौधरी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष परविंदर चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष जनक चौधरी, अंकित चौधरी, रेखा शर्मा, संजय नागर, राजेंद्र नागर, मदन शर्मा, अजब सिंह और जीवाराम यादव समेत सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

नहीं रहे शूटिंग के 'गोल्डन बॉय' जसपाल राणा, 49 साल की उम्र में तोड़ा दम, खेल जगत स्तब्ध

देहरादून,संवाददाता । भारतीय शूटिंग इतिहास के सबसे चमकदार सितारों में से एक, दिग्गज निशानेबाज और कोच जसपाल राणा का शुक्रवार को दिल्ली के एक अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से आकस्मिक निधन हो गया। वह महज 49 वर्ष के थे। उनके जाने से खेल जगत सहित पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त निशानेबाज के असामयिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे खेल जगत और राष्ट्र के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस महान खिलाड़ी के जाने पर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। म्यूनिख में आयोजित आईएसएसएफ वर्ल्ड कप के दौरान जसपाल राणा को सीने में भारी बेचैनी महसूस हुई थी। शुरुआत में उन्होंने इसे सामान्य एसिडिटी समझा और अपनी यात्रा जारी रखी। भारत लौटने पर जब तकलीफ बढ़ी, तो उन्हें तुरंत दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उनका स्टेंट प्रोसीजर किया था। इस चिकित्सा प्रक्रिया के बाद भी उनकी स्थिति में सुधार नहीं हो सका और उन्होंने आखिरी सांस ली। उनके परिवार में पत्नी के अलावा दो बच्चे हैं। उनके भाई सुभाष राणा ने इस दुखद खबर की पुष्टि की है। जसपाल राणा का जन्म 28 जून 1976 को उत्तराखंड के उत्तरकाशी में एक गढ़वाली परिवार में हुआ था। निशानेबाजी उन्हें अपने पिता नारायण सिंह राणा से विरासत में मिली थी, जो खुद भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) में रह चुके थे और बाद में उत्तराखंड के पहले खेल मंत्री बने। जसपाल के नाम अंतरराष्ट्रीय पटल पर एक ऐसा रिकॉर्ड दर्ज है जो आज भी मिसाल है। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में कुल 15 पदक जीते, जिनमें 9 ऐतिहासिक स्वर्ण पदक शामिल हैं, जो उन्हें इन खेलों के इतिहास में भारत का सबसे सफल एथलीट बनाते हैं। इसके अलावा एशियाई खेलों में भी उन्होंने 4 स्वर्ण सहित कुल 8 पदक देश की झोली में डाले थे। साल 1994 की मिलान वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप का एक वाकया उनकी अदम्य इच्छाशक्ति को बयां करता है। मुकाबले से ठीक एक दिन पहले उनके घुटने में एक गंभीर फोड़ा हो गया था, जिसके लिए डॉक्टरों ने तुरंत सर्जरी कराने की हिदायत दी थी। जसपाल ने अस्पताल से छुट्टी ली और उसी रात वह फोड़ा फट गया, जिससे दर्द असहनीय हो गया। हालत यह थी कि वह अपनी जींस तक नहीं उतार पा रहे थे। उन्होंने अपनी जींस को काटकर हाफ पैंट बनाई और अगली सुबह उसी असहनीय दर्द के साथ निशानेबाजी करने उतरे। उन्होंने न केवल मुकाबला खेला, बल्कि जूनियर कैटेगरी में वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर के साथ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीता। प्रतिस्पर्धी खेल से संन्यास लेने के बाद जसपाल राणा ने खुद को एक बेहतरीन कोच के रूप में स्थापित किया। हाल ही में पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचने वाली स्टार शूटर मनु भाकर की इस कामयाबी के पीछे जसपाल राणा का ही सख्त अनुशासन और मार्गदर्शन था। टोक्यो ओलंपिक की नाकामी के बाद दोनों के रास्ते अलग हो गए थे, लेकिन साल 2023 में वे फिर एक साथ आए। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा के सहयोग से जसपाल ने मनु के लिए ओलंपिक के माहौल की हूबहू नकल तैयार कर कड़ी ट्रेनिंग कराई, जिसका नतीजा पूरी दुनिया ने पेरिस में देखा। फरवरी 2025 में उन्हें भारतीय जूनियर टीम का हाई-परफॉर्मेंस कोच भी नियुक्त किया गया था।

खेल के मैदान के अलावा जसपाल राणा ने राजनीति के मैदान में भी अपनी किस्मत आजमाई थी। उन्होंने साल 2009 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (BJP) के टिकट पर टिहरी गढ़वाल संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ा था, हालांकि इस चुनाव में उन्हें शिकस्त का सामना करना पड़ा। इसके बाद वे कांग्रेस में शामिल हो गए थे और 2012 के उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में पार्टी के स्टार प्रचारक की भूमिका निभाई थी। उनका पारिवारिक कनेक्शन देश के बड़े राजनीतिक घराने से भी था। उनकी सगी बहन सुषमा राणा, जो खुद 2006 के कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट और शूटिंग कोच हैं, देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की बहू हैं। सुषमा का विवाह राजनाथ सिंह के बेटे और नोएडा से विधायक पंकज सिंह के साथ हुआ है। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर शोक व्यक्त करते हुए जसपाल को एक उत्कृष्ट खिलाड़ी के साथ-साथ एक बेहद सरल और नेकदिल इंसान बताया है। इतनी बड़ी अंतरराष्ट्रीय पहचान और 'विश्व विजेता' का खिताब होने के बावजूद जसपाल राणा की सादगी बेमिसाल थी। जब भी वह अपने पैतृक गांव चिलामू पहुंचते थे, तो चकाचौंध से दूर जमीन पर बिस्तर लगाकर सोते थे। उन्हें चूल्हे पर बनी साधारण रोटी और पारंपरिक मांड खाना सबसे ज्यादा पसंद था। उनके गांव के लोग आज उनकी इसी जमीन से जुड़ी सादगी को याद कर आंसू बहा रहे हैं। मुख्यमंत्री धामी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है और शोक संतप्त परिजनों व उनके करोड़ों प्रशंसकों को इस असह्य दुख को सहन करने की शक्ति देने की कामना की है।

चोरी की चार बाइकों के साथ दो अंतर्राज्यीय शातिर चोर गिरफ्तार

रुड़की,संवाददाता । पुलिस टीम ने नाकेबंदी कर सघन चेकिंग अभियान शुरू कर दबोचा पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखी गई चोरी की बाईकें बरामद कीमंगलौर, संवाददाता। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही वाहन चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने और अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने क्षेत्र से दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने विभिन्न क्षेत्रों से चोरी की गई चार बाइकें बरामद की हैं। पुलिस दोनों आरोपियों से गहनता से पूछताछ कर उनके पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुटी है। पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि क्षेत्र में सक्रिय वाहन चोर गिरोह के कुछ सदस्य चोरी की बाइकों को ठिकाने लगाने और उन्हें सस्ते दामों में बेचने की फिराक में है। को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम का गठन किया और रास्तों पर नाकेबंदी कर सघन चेकिंग अभियान शुरू कर दिया। इसी दौरान पुलिस को दो संदिग्ध युवक बाइक पर आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर दोनों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस कर्मियों ने घेराबंदी करते हुए दोनों को मौके पर ही दबोच लिया। हिरासत में लेकर जब दोनों संदिग्धों से कड़ाई से पूछताछ की गई, तो उन्होंने वाहन चोरी की कई घटनाओं को अंजाम देने की बात कबूल की। पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम विक्रांत उर्फ भोलू व वसीम निवासी मोहनपुरा डबल फाटक रुड़की बताया है। दोनों आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखी गई चोरी की चार बाईके बरामद की हैं।पुलिस ने बरामद सभी चारों बाईको को सीज कर दिया है और दोनों आरोपियों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस बाइकों के चेसिस और इंजन नंबर के जरिए इनके असली मालिकों का पता लगाने का प्रयास कर रही है ताकि संबंधित थानों में दर्ज मुकदमों से इन्हें लिंक किया जा सके। इंस्पेक्टर भगवान महर ने बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी बेहद शातिर किस्म के वाहन चोर हैं, जो रेकी करने के बाद पलक झपकते ही नकली चाबी की मदद से या लॉक तोड़कर बाइक चोरी कर लेते थे।

अनमोल प्राकृतिक संपदा और पर्यावरण को क्षति करता जंगल का दावानल

मनोज कुमार अग्रवाल

जंगल की आग बेहद विनाशकारी प्राकृतिक व मानवजनित आपदा है। बेकाबू दावानल चंद घंटों में हजारों हेक्टेयर वन भूमि, मूल्यवान पेड़ों और वन्यजीवों को राख में बदल देती है, जिससे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ जाता है और भारी बर्बादी होती है।जंगल की आग के प्रभाव और नुकसान कई स्तरों पर महसूस किए जाते हैं। वन्यजीवों की मौत हो जाती है आग की चपेट में आने से कई जानवर, पक्षी और उनके बच्चे जिंदा जल जाते हैं। जो बच जाते हैं, उनके प्राकृतिक आवास और भोजन स्रोत नष्ट हो जाते हैं।आग के धुएं से भारी मात्रा में जहरीली गैसें जैसे कार्बन डाइऑक्साइड निकलती हैं, जिससे आसपास के क्षेत्रों में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं, सांस लेने में दिक्कत और वायु प्रदूषण होता है। बेशकीमती लकड़ियां, औषधीय पौधे और वनस्पतियां जलकर नष्ट हो जाती हैं। इसके अलावा, आग वाली जगह पर मिट्टी की उपजाऊ क्षमता खत्म हो जाती है।कई बार यह आग रिहायशी इलाकों तक पहुंच जाती है, जिससे लोगों के घर, खेत और मवेशी नष्ट हो जाते हैं। जानमाल का भारी खतरा पैदा हो जाता है।जंगल की आग में अकेले उत्तराखंड में वर्ष 2015 से अब तक 36 लोगों की जान ले चुकी है, जबकि 76 लोग घायल हुए।

विश्वभर में पर्यावरण के तेजी से असंतुलित और विषाक्त होते जाने के परिणाम अब गंभीर रूपों में सामने आते जा रहे हैं। ये प्रभाव रोकने के बावजूद भले ही सामान्य लोग इनका अनुभव नहीं कर पा रहे हों लेकिन वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले शोधों और अनुसंधानों में इन्हें लेकर कोई भ्रम या अनिश्चितता नहीं है। विडंबना यह है कि सारी बातें साफ तौर पर सामने रख दिए जाने के बावजूद आम लोग ही नहीं बल्कि सरकारें तक सुधरने के लिए तैयार नहीं हैं। शोध बताता है कि आग से पैदा होने वाला प्रदूषण वायु गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। जंगलों की आग से निकलने वाले धुएं में सिर्फ कार्बन डाइऑक्साइड ही नहीं बल्कि कई ऐसे कार्बनिक यौगिक भी होते हैं जो ज्यादा खतरनाक सिद्ध हो रहे हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने भी माना है कि गंगा के मैदानों की धुंध और अमेजन के जंगलों से उठने वाला धुआं वायु प्रदूषण को लगातार बढ़ा रहा है। इसका सीधा असर मानव स्वास्थ्य, कृषि और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। संगठन ने एक उदाहरण के माध्यम से बताया है कि दो साल पहले अमेजन में लगी आग से निकला धुआं हजारों किलोमीटर दूर बसे शहरों तक पहुंचा और वहां की हवा को गंभीर रूप से प्रदूषित कर दिया। ऐसा ही एक अध्ययन बताता है कि 2001 के बाद से जंगलों की आग से होने वाले कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में करीब साठ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह भी बताया गया है कि उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के बाहर मौजूद जंगलों में भी कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में गंभीर इजाफा हुआ है। इन क्षेत्रों में हर साल करीब पचास करोड़ टन अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड वातावरण में जा रहा है। आमतौर पर जंगलों को उनके हाल पर छोड़ दिया जाता है जिसके कारण उनके संरक्षण की दिशा में कदम भी नहीं उठाए जाते। विकसित देशों तक का यही हाल है। नतीजा यह है कि वनाग्नि जैसी घटनाएं होती हैं। बुझाने के उपाय न होने के कारण यह आग फैलती जाती है और पर्यावरण खतरनाक रूप से प्रदूषित होता जाता है।

भारत में वर्तमान में भीषण गर्मी और सूखे के कारण जम्मू-कश्मीर (राजौरी के नौशेरा क्षेत्र) और हिमाचल प्रदेश (चंबा और कांगड़ा के नैना देवी क्षेत्र) के जंगलों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आई हैं। इसके अलावा उत्तराखंड (चमोली और गढ़वाल क्षेत्र) के पहाड़ी इलाकों में भी अक्सर जंगलों में आग की समस्या बनी हुई है।जम्मू-कश्मीर में राजौरी जिले के नौशेरा और बिंदी के जंगलों में भारी आग लगने के कारण चारों तरफ धुंआ फैल गया था, जिसे बुझाने के लिए दमकल और बचाव दल तैनात किए गए थे।हिमाचल प्रदेश में चंबा के सलोनी क्षेत्र और कांगड़ा के नैना देवी मंदिर के पास के जंगलों में भीषण आग की घटनाएं दर्ज की गई हैं।उत्तराखंड के चमोली के आदि बद्री क्षेत्र और कुमाऊं-गढ़वाल की पहाड़ियों में आग लगने के कारण काफी वन संपदा का नुकसान हुआ है।उत्तराखंड में इस साल 15 फरवरी से अब तक जंगल की आग की करीब 400 घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं, जिससे 331 हेक्टेयर से अधिक वन संपदा जलकर राख हो गई है। इस भीषण आग की चपेट में आने से कई बहुमूल्य वनस्पतियां, जीव-जंतु नष्ट हुए हैं और कुछ लोगों की जान भी जा चुकी है। गढ़वाल मंडल सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, जहाँ 241 हेक्टेयर से अधिक का वन क्षेत्र जला है। इसके मुकाबले कुमाऊं मंडल में स्थिति थोड़ी बेहतर रही, जहाँ करीब 64 हेक्टेयर वन क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है। चमोली, पिथौरागढ़, पौड़ी, टिहरी, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग जिले आग से सबसे ज्यादा प्रभावित है। बारिश की कमी, लंबे समय तक सूखा मौसम और लगातार बढ़ता तापमान जंगलों में आग लगने के मुख्य कारण है।

उत्तराखंड के जंगलों में लग रही आग विकराल होती जा रही है इस दृष्टि से पौड़ी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, टिहरी, देहरादून, नैनीताल व उत्तरकाशी जिले अधिक संवेदनशील बनकर उभरे हैं। इन्हीं जिलों में जंगल सर्वाधिक धधक रहे हैं। ऐसे में चिंता और चुनौती दोनों ही बढ़ गए हैं।वर्तमान में राज्य के आठ जिलों के जंगलों में धधक रही आग का बड़ा कारण वहां पसरे चीड़ वन हैं। चीड़ की सूखी पत्तियों (पिरुल) की जमीन में जमा परत आग में घी का काम कर रही है।

पहाड़ी ढलानों और तेज हवा के कारण आग कुछ ही समय में बड़े क्षेत्र को अपने आगोश में ले रही है।

अल्मोड़ा, नैनीताल और पौड़ी में आबादी के करीब फैले घने चीड़ वन खतरे को और बढ़ा रहे हैं। उत्तरकाशी और टिहरी में कम वर्षा और बढ़ता तापमान जंगलों को सूखा बना रहा है। पिथौरागढ़ के जंगलों में भी आग की घटनाएं बढ़ रही हैं।

इस आग के पीछे मानवीय लापरवाही एक बड़ी वजह है।जंगलों में लगने वाली आग (दावानल) के लिए किसानों द्वारा खेतों में लगाई जाने वाली आग एक बहुत बड़ा और प्रमुख कारण है। अक्सर किसान खेत के अवशेषों (पराली/फसल के डंठल) को जल्दी साफ करने या नई फसल बोने के लिए खेतों में आग लगाते हैं। यदि सावधानी न बरती जाए, तो यह आग पास के जंगलों तक फैल जाती है। जंगल में बिखरे सूखे पत्तों को सफाई के लिए लगाई जाने वाली एक तिल्ली बेकाबू आग का कारण बन जाती है सरकार दूर लगातार ग्रामीणों को जागरूक करने और सजा के प्रावधान के बावजूद कुछ लोग अभी भी लापरवाही की तिल्ली जलाते हैं। इसका मुख्य कारण बढ़ता तापमान और लापरवाही माना गया है। इसलिए जंगलों की सुरक्षा के उपाय खोजे जाने और उनमें लगने वाली आग को समय रहते बुझाने की व्यवस्था किया जाना जरूरी है। वरना इस आग से निकलने वाले धुएं का प्रदूषण न जाने कितनी गंभीर समस्याएं पैदा करता रहेगा।जंगलों में आग को रोकने और उसके नुकसान को कम करने के लिए तत्काल और दीर्घकालिक उपायों का संयोजन आवश्यक है। त्वरित और प्रभावी रोकथाम के लिए फायर लाइन्स का निर्माण करना चाहिए। जंगलों के बीच चौड़ी पट्टियाँ बनाई जाती हैं ताकि आग एक हिस्से से दूसरे हिस्से में न फैल सके। इनकी समय पर सफाई बहुत जरूरी है। सर्दियों या गर्मियों की शुरुआत में, जब मौसम ठंडा हो, तो जंगल के सूखे पत्तों और टहनियों को नियंत्रित तरीके से जला दिया जाता है ताकि गर्मियों में ईंधन न बचे। वन विभाग की टीमों के पास आधुनिक उपकरण, अग्निशमन सूट और ब्लोअर होने चाहिए।सरकार को ग्रामीणों को और अधिक जागरूक करने के लिए प्रभावी उपाय भी करने होंगे ताकि प्रकृति को होने वाले इस नुकसान से बचाया जा सके क्योंकि इस की कोई भरपाई संभव नहीं है।

हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार साझेदारी का नया अध्याय

वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में तेजी से बदलते परिदृश्य के बीच भारत और नॉर्डिक देशों के संबंध नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहे हैं। 19 मई 2026 को नॉर्वे की राजधानी में आयोजित तृतीय भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन ने इस साझेदारी को हरित प्रौद्योगिकी, नवाचार, डिजिटल परिवर्तन और सतत विकास के व्यापक आयामों तक विस्तार देने का मार्ग प्रशस्त किया है। यह सम्मेलन केवल व्यापारिक सहयोग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जलवायु परिवर्तन, आर्कटिक नीति, समुद्री अर्थव्यवस्था, अनुसंधान, रक्षा उत्पादन और प्रतिभा गतिशीलता जैसे भविष्य-निर्धारक विषयों पर भी केंद्रित रहा। भारत और नॉर्डिक देशों के बीच सहयोग की शुरुआत वर्ष 2018 में पहले भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन से हुई थी। तब से यह संबंध पारंपरिक कूटनीति से आगे बढ़कर रणनीतिक साझेदारी में बदल चुका है। नॉर्डिक देशों की उन्नत तकनीकी विशेषज्ञता और भारत की विशाल बाजार क्षमता, युवा प्रतिभा तथा विनिर्माण शक्ति ने इस सहयोग को नई दिशा दी है। भारत की आर्कटिक नीति भी इस साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरी है। आर्कटिक क्षेत्र में बर्फ पिघलने और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भारतीय मानसून, कृषि, जल सुरक्षा और समुद्री तटीय क्षेत्रों पर पड़ सकता है। इसी कारण भारत ने अपनी आर्कटिक नीति भारत और आर्कटिक: सतत विकास के लिए साझेदारी का निर्माण के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान, पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक विकास और वैश्विक सहयोग को प्राथमिकता दी है। नॉर्डिक देशों के साथ बढ़ता सहयोग इस नीति को व्यावहारिक आधार प्रदान करता है। नॉर्डिक देशों के साथ भारत के आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। डेनमार्क के साथ भारत का वस्तु व्यापार 2025 में 2 अरब डॉलर से अधिक पहुंच गया, जबकि सेवाओं का व्यापार 4.25 अरब डॉलर तक पहुंचा। डेनमार्क की लगभग 200 कंपनियां भारत में नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट शहरी विकास और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में सक्रिय हैं। वहीं भारतीय कंपनियां भी आईटी और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत कर रही हैं। फिनलैंड के साथ तकनीकी और नवाचार आधारित सहयोग तेजी से बढ़ा है। फिनलैंड की 100 से अधिक कंपनियां भारत में कार्यरत हैं, जबकि भारतीय निवेश भी लगातार बढ़ रहा है। डिजिटल तकनीक, 6जी अनुसंधान और स्टार्ट-अप सहयोग इस संबंध का प्रमुख आधार बन रहे हैं। आइसलैंड के साथ भारत ने भूतापीय ऊर्जा, मत्स्य पालन और आर्कटिक अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर बल दिया है। वहीं नॉर्वे के साथ समुद्री अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा और आर्कटिक सहयोग को नई गति मिली है। नॉर्वे के गवर्नमेंट पेंशन फंड ग्लोबल द्वारा भारतीय पूंजी बाजार में लगभग 28 अरब डॉलर का निवेश इस बढ़ते भरोसे का प्रमाण है। स्वीडन के साथ भारत का व्यापार लगभग 7 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। स्वीडन की 280 से अधिक कंपनियां भारत में कार्यरत हैं, जबकि भारतीय कंपनियां भी वहां अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं। रक्षा, दूरसंचार, स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल तकनीक दोनों देशों के सहयोग के प्रमुख क्षेत्र हैं। भारत और नॉर्डिक देशों के संबंध केवल आर्थिक और रणनीतिक सहयोग तक सीमित नहीं हैं। भारतीय संस्कृति, योग, आयुर्वेद, संगीत, नृत्य और भारतीय त्योहारों ने नॉर्डिक समाज में विशेष स्थान बनाया है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आज डेनमार्क, स्वीडन, फिनलैंड और नॉर्वे के शहरों में बड़े स्तर पर मनाया जाता है। नमस्ते स्टॉकहोम जैसे सांस्कृतिक आयोजन हजारों लोगों को आकर्षित करते हैं। इन देशों में बसे भारतीय प्रवासी समुदाय ने भी दोनों क्षेत्रों के बीच मजबूत सांस्कृतिक पुल का कार्य किया है। स्वीडन में लगभग 88 हजार, फिनलैंड में 33 हजार और नॉर्वे में 30 हजार भारतीय समुदाय आर्थिक और सामाजिक जीवन में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। तृतीय भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम भारत-नॉर्डिक हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार रणनीतिक साझेदारी के रूप में सामने आया। इस पहल के तहत नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, जल प्रबंधन, डिजिटल अवसंरचना, सतत विनिर्माण और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। यह साझेदारी भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, हरित रोजगार सृजित करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके अतिरिक्त जल प्रबंधन और संसाधन पुनर्चक्रण में नॉर्डिक विशेषज्ञता भारत के शहरी और औद्योगिक विकास को टिकाऊ बनाने में सहायक होगी। एसटीईएम शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार इस साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार हैं।

विज्ञान के साथ पारंपरिक ज्ञान का समावेश जरूरी

-मानसून पूर्व तैयारियों पर शुरू हुई दो दिवसीय कार्यशाला
-आपदा जोखिम न्यूनीकरण, अर्ली वार्निंग सिस्टम, बाढ़ प्रबंधन एवं तकनीकी नवाचारों पर मंथन

देहरादून,संवाददाता । राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), गृह मंत्रालय, भारत सरकार तथा उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) के संयुक्त तत्वावधान में मानसून पूर्व तैयारियों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का गुरुवार को यूएसडीएमए भवन में शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न विभागों, जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि राज्य आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल रघुवीर सिंह भण्डारी (सेवानिवृत्त) ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि केवल सरकारी तंत्र ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक को आपदाओं का सामना करने के लिए सक्षम बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रथम प्रतिक्रियादाता के रूप में प्रत्येक नागरिक को आपदाओं से निपटने के लिए सक्षम और प्रशिक्षित बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकों, वैज्ञानिक पद्धतियों के साथ-साथ स्थानीय समुदायों के पारंपरिक ज्ञान का भी संरक्षण और उपयोग किया जाना चाहिए। पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों ने वर्षों के अनुभव के आधार पर मौसम, भू-संरचना, जल स्त्रोतों तथा प्राकृतिक संकेतों को समझने की विशिष्ट क्षमता विकसित की है। यह पारंपरिक ज्ञान कई बार आपदा के संभावित खतरों का पूर्व आकलन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ले. कर्नल भण्डारी ने कहा कि ग्राम स्तर पर आपदा जोखिम न्यूनीकरण की गतिविधियों को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है। ग्राम प्रधानों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्वयं सहायता समूहों, युवक मंगल दलों, महिला मंगल दलों तथा स्वयंसेवी संगठनों को आपदा प्रबंधन की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब स्थानीय नेतृत्व आपदा प्रबंधन से जुड़ता है तो समुदाय की भागीदारी बढ़ती है और आपदा के समय त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित होती है। अपने सैन्य अनुभवों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड एक सैन्य बाहुल्य प्रदेश है तथा यहां बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक निवास करते हैं। आपात परिस्थितियों में कार्य करने का उनका अनुभव, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दक्षता आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती है। इस अवसर पर सचिव, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय को और अधिक सशक्त बनाना तथा आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम विकास, नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं से अधिकारियों को अवगत कराना है। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन एक बहु-विभागीय विषय है, इसलिए सभी विभागों के बीच स्पष्ट संवाद, समन्वित कार्यप्रणाली और जिम्मेदारियों की स्पष्ट समझ अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसी भी आपदा के दौरान विभागों के कार्यों में दोहराव न हो, इसके लिए पूर्व निर्धारित भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का स्पष्ट होना आवश्यक है। अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (प्रशासन) प्रकाश चंद्र ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान पूर्व चेतावनी प्रणाली एवं उसके अंतिम छोर तक प्रभावी प्रसार, जोखिम मूल्यांकन, बाढ़ प्रबंधन, शहरी बाढ़ की चुनौतियां, संवेदनशील समुदायों की सुरक्षा, इंसिडेंट रिस्पॉन्स सिस्टम, निकासी योजना, स्वास्थ्य क्षेत्र की तैयारी, जलवायु परिवर्तन जनित जोखिम, उभरती तकनीकों का उपयोग, बहु-एजेंसी समन्वय, त्वरित क्षति आकलन तथा पोस्ट डिजास्टर नीड्स असेसमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत व्याख्यान एवं चर्चा की जाएगी।

अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (क्रियान्वयन) एवं डीआईजी राजकुमार नेगी ने बताया कि यूएसडीएमए द्वारा मानसून अवधि को देखते हुए सभी जनपदों तथा रेखीय विभागों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित किया जा रहा है। राज्य, जनपद तथा तहसील स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित की जा रही हैं तथा संवेदनशील क्षेत्रों की विशेष निगरानी की जा रही है। इस अवसर पर सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन, एससीईओ प्रशासन प्रकाश चंद्र, एसीईओ क्रियान्वयन डीआईजी राजकुमार नेगी, एनआईडीएम के प्रो0 नवनीत कुमार, जेसीईओ मो0 ओबैदुल्लाह अंसारी, असिस्टेंट प्रोफेसर रोहित कुमार, शांतनु सरकार के साथ ही सेना, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ पुलिस आदि अन्य विभागों के अधिकारी व विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने नदी-नालों, झरनों, गहरी खाइयों तथा अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में रील्स और सेल्फी बनाने के बढ़ते चलन पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने की होड़ में लोग अपनी सुरक्षा को नजरअंदाज कर रहे हैं, जिसके कारण दुर्घटनाओं की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने सभी जिलों को ऐसे संवेदनशील एवं दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान कर उन्हें नो सेल्फी जोन घोषित करने को कहा। ऐसे स्थलों पर चेतावनी बोर्ड, बैरिकेडिंग तथा आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सुझाव दिया कि सुरक्षित स्थानों को सेल्फी सेफ जोन के रूप में भी विकसित किया जाए, ताकि लोग प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते हुए सुरक्षित वातावरण में फोटो एवं वीडियो बना सकें।

अर्ली वार्निंग सिस्टम पर मंथन

एनआईडीएम के प्रोफेसर डॉ. नवनीत कुमार ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता दोनों में वृद्धि हुई है, जिससे जोखिम पहले की तुलना में काफी बढ़ गया है। उन्होंने प्रतिभागियों को सैटेलाइट आधारित रिमोट सेंसिंग तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस तकनीक के माध्यम से दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों की जानकारी आसानी से प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने अर्ली वार्निंग सिस्टम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि समय पर प्राप्त चेतावनियां जनहानि और संपत्ति के नुकसान को काफी हद तक कम कर सकती हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को सचेत ऐप, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की वेबसाइट पर उपलब्ध रियल टाइम मौसम संबंधी सूचनाओं तथा दामिनी ऐप के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यूएलएमएमसी के निदेशक डॉ. शांतनु सरकार ने भूस्खलन न्यूनीकरण को लेकर केंद्र द्वारा किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला।

वरिष्ठ नागरिक सामाजिक संगठन ने स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध

हरिद्वार ,संवाददाता । वरिष्ठ नागरिक सामाजिक संगठन, हरिद्वार ने प्रदेश में प्रीपेड स्मार्ट मीटर व्यवस्था लागू किए जाने का विरोध करते हुए मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। संगठन ने स्मार्ट मीटरों की गुणवत्ता और कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए उपभोक्ताओं की सहमति के बिना इन्हें न लगाए जाने की मांग की। संगठन के अध्यक्ष चौधरी चरण सिंह ने कहा कि विभिन्न राज्यों से स्मार्ट मीटरों में बिजली खपत अधिक दर्शाने और उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने की शिकायतें सामने आई हैं। उनका कहना है कि कई मामलों में जांच के दौरान शिकायतों को सही भी पाया गया है। इसके अलावा प्रीपेड स्मार्ट मीटर रिचार्ज होने के बावजूद समय पर बिजली आपूर्ति बहाल नहीं होने की समस्याएं भी सामने आई हैं। संगठन ने सरकार से मांग की कि स्मार्ट मीटरों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित किए बिना उन्हें अनिवार्य रूप से लागू न किया जाए।

12 साल की उपलब्धियां से बनाएंगे जीत की हैट्रिक का मजबूत आधार : भट्ट

देहरादून,संवाददाता । 'बारह साल विकास के विकास के जन कल्याण के' संदेश के साथ मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री के नेतृत्व में कोर कमेटी के सदस्य एवं विधायकों का विधानसभावार प्रवास सुनिश्चित किया गया है। जिसमें वे सभी संबंधित क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं के साथ जनता के मध्य मोदी और धामी सरकार की उपलब्धियां लेकर जायेंगे और उनसे संवाद करेंगे।

केंद्रीय नेतृत्व द्वारा निर्धारित प्रवासों को लेकर प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने कहा कि पीएम मोदी द्वारा देश के सर्वाधिक लंबे समय तक प्रधानसेवक बनने का इतिहास सृजित करने से जनता में अभूतपूर्वक उत्साह एवं खुशी का माहौल है। जिसके क्रम में भाजपा, राष्ट्रव्यापी जनजागरण अभियान के तहत ये अभियान प्रदेश में संचालित कर रही है। जिसमें मोदी जी के इन 12 सालों के अभूतपूर्व विकास एवं जनकल्याणकारी को विधानसभावार जिम्मेदारी तय करते हुए जन जन के मध्य पहुंचाया जाएगा। मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, सभी लोकसभा राज्यसभा सांसद, प्रदेश पदाधिकारी, विधायक, वरिष्ठ नेता दो दिन तक स्वयं के लिए निर्धारित क्षेत्र में डबल इंजन सरकार के कामों की चर्चा कर पार्टी का जनाधार मजबूत करेंगे। जिसमें उनके द्वारा बूथ, मंडल स्तर पर पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की बैठक ली जाएगी। वहीं जनता से संवाद स्थापित करते हुए उनकी समस्याओं के समाधान को लेकर प्रयास किया जाएगा। प्रदेश महामंत्री श्रीमती दीप्ति रावत द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष द्वारा विधानसभावार जिम्मेदारी तय की गई है। 13 से 16 जून के बीच होने वाले इन दो दिवसीय प्रवास कार्यक्रम के तहत प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट एवं श्री सुरेश भट्ट को बाजपुर एवं मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी को खटीमा विधानसभा आवंटित की गई है। इसी तरह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश सह प्रभारी श्रीमती रेखा वर्मा एवं दायित्वधारी श्री दिनेश आर्य को हल्द्वानी, राष्ट्रीय महामंत्री श्री अरुण सिंह एवं कैबिनेट मंत्री श्री मदन कौशिक को हरिद्वार, केंद्रीय मंत्री श्री रवनीत सिंह एवं श्री राजेश शुक्ला को किच्छा नैनीताल सांसद श्री अजय भट्ट को नानकमत्ता, केंद्रीय मंत्री एवं अल्मोड़ा सांसद श्री अजय टम्टा को लोहाघाट, प्रदेश महामंत्री सांसद गढ़वाल लोकसभा श्री अनिल बलूनी एवं डॉक्टर धन सिंह रावत को श्रीनगर, टिहरी लोकसभा सांसद महारानी माला राज्य लक्ष्मी शाह को यमुनोत्री, राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद श्री नरेश बंसल को चकराता, पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद हरिद्वार श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को भगवानपुर, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक को लक्सर, पूर्व मुख्यमंत्री श्री तीरथ सिंह रावत को प्रताप नगर, राज्यसभा सांसद डॉक्टर कल्पना सैनी को हरिद्वार ग्रामीण विधानसभा आवंटित की गई है। उसके अतिरिक्त प्रदेश महामंत्री श्री तरुण बंसल को मंगलौर, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र बिष्ट को पिथौरागढ़, कैबिनेट मंत्री श्री सतपाल महाराज को ज्वालापुर, प्रदेश महामंत्री श्री कुंदन परिहार को खानपुर, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश गिरी को पिरान कलियर, प्रदेश मंत्री श्री नलिन भट्ट को बद्रीनाथ, श्री हेमराज बिष्ट को धारचूला, दायित्वधारी श्री शिव सिंह बिष्ट को द्वाराहाट, श्री गोविंद पिलख्वाल को अल्मोड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री शैलेंद्र बिष्ट को झबरेड़ा, पूर्व प्रदेश महामंत्री श्री खिलेंद्र चौधरी को जसपुर समेत सभी विधायकों को अपनी अपनी विधानसभा में ये जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पुलिस पेंशन, पत्रकार भत्ता और एमएसपी गारंटी की मांग को लेकर भाकियू का प्रदर्शन

हरिद्वार **,संवाददाता।** भारतीय किसान यूनियन (महाशक्ति) ने किसानों, पुलिस कर्मियों, पत्रकारों और भूमि अधिग्रहण से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर गुरुवार को प्रदर्शन किया। इस मौके पर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन ने पुलिस कर्मियों के लिए पेंशन व्यवस्था लागू करने, पत्रकारों को मासिक भत्ता देने, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सुनिश्चित करने तथा भूमि अधिग्रहण में किसानों को बाजार दर के अनुसार मुआवजा दिए जाने की मांग उठाई। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में गुरुवार को अलकनंदा घाट के पास सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि देश की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में पूर्व सैनिकों, सांसदों और विधायकों की भांति पुलिस कर्मियों को भी पेंशन का लाभ दिया जाना चाहिए। ज्ञापन में कहा गया कि पुलिसकर्मी अपना पूरा जीवन जनता और राष्ट्र की सेवा में समर्पित करते हैं, इसलिए उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना आवश्यक है। भाकियू (महाशक्ति) ने पत्रकारों के हितों को लेकर भी मांग उठाई। संगठन का कहना है कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में कार्य करने वाले पत्रकारों को सम्मानजनक मासिक भत्ता दिया जाना चाहिए, ताकि वे आर्थिक दबावों से मुक्त होकर निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता कर सकें। किसानों की समस्याओं का उल्लेख करते हुए संगठन ने कहा कि कृषि लागत लगातार बढ़ रही है, जबकि फसलों का लाभकारी मूल्य किसानों को नहीं मिल पा रहा है। इससे खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी गारंटी प्रदान की जानी चाहिए। संगठन के पदाधिकारियों ने केंद्र सरकार से सभी मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसानों, पुलिस कर्मियों, पत्रकारों और पूर्व सैनिकों के हितों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल होना चाहिए। प्रदर्शनकारियों मेंसंगीता सिंह, विष्णुदत्त त्यागी, डॉ. रविंद्र पाठक, डॉ. मंजू शुक्ला सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमृता राव ने सादगी और अभिनय से जीता दर्शकों का दिल

सिनेमा जगत में कई अभिनेत्रियां आई और गई, लेकिन कुछ चेहरे ऐसे होते हैं जो अपनी सादगी और सहज अभिनय के कारण लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बने रहते हैं। अभिनेत्री अमृता राव भी उन्हीं सितारों में शामिल हैं। खासकर फिल्म 'विवाह' में निभाए गए 'पूनम' के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। कम फिल्मों में काम करने के बावजूद अमृता ने अपनी अलग छाप छोड़ी। 7 जून 1981 को मुंबई में जन्मीं अमृता राव का पालन-पोषण एक पारंपरिक कोंकणी परिवार में हुआ। शुरुआती शिक्षा मुंबई के अंधेरी स्थित एक स्कूल से पूरी करने के बाद उन्होंने सोफिया कॉलेज में साइकोलॉजी विषय से ग्रेजुएशन की पढ़ाई शुरू की। हालांकि मॉडलिंग की दुनिया उन्हें अपनी ओर खींच रही थी। इसी वजह से उन्होंने पढ़ाई अधूरी छोड़कर मॉडलिंग में करियर बनाने का फैसला किया। शुरुआत में अमृता कई विज्ञापनों में नजर आई। धीरे-धीरे उनकी पहचान बढ़ी और उन्हें म्यूजिक वीडियो में भी काम करने का मौका मिला। कैमरे के सामने उनका आत्मविश्वास और सहजता लोगों को पसंद आने लगी। इसी दौरान फिल्म निर्माताओं की नजर भी उन पर पड़ी और उनके लिए बॉलीवुड के दरवाजे खुल गए।

साल 2002 में अमृता ने फिल्म 'अब के बरस' से बॉलीवुड में कदम रखा। पहली ही फिल्म में उन्होंने अपने अभिनय से लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद उनका करियर लगातार आगे बढ़ता गया। वर्ष 2003 में रिलीज हुई 'इश्क विश्क' उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने शाहिद कपूर के साथ काम किया और दोनों की जोड़ी दर्शकों को खूब पसंद आई। फिल्म की सफलता के बाद अमृता युवा दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो गईं।

इसके बाद उन्होंने 'मस्ती', 'मैं हूं ना', 'वाह लाइफ हो तो ऐसी', 'शिखर' और 'प्यारे मोहन' जैसी फिल्मों में काम किया। हालांकि, उनकी सबसे यादगार फिल्मों में 'विवाह' का नाम सबसे ऊपर आता है। राजश्री प्रोडक्शंस की इस फिल्म में उन्होंने 'पूनम' का किरदार निभाया था। उनकी सादगी, पारिवारिक संस्कार और सहज अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया। आज भी कई लोग उन्हें 'पूनम' के नाम से याद करते हैं।

अमृता ने केवल हिंदी फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने तेलुगू सिनेमा में भी काम किया और अभिनेता महेश बाबू के साथ फिल्म 'अतिथि' में नजर आई। इस फिल्म को भी दर्शकों ने पसंद किया। इसके बाद अमृता ने 'वेलकम टू सज्जनपुर', 'जॉली एलएलबी', 'सिंह साहब द ग्रेट, 'सत्याग्रह' और 'ठाकरे' जैसी फिल्मों में भी अपनी अभिनय क्षमता का परिचय दिया।

निजी जीवन की बात करें तो अमृता ने लंबे समय तक रेडियो जॉकी अनमोल सूद को डेट किया। दोनों ने साल 2016 में बेहद सादगी से शादी की। अमृता एक बेटे की मां हैं, जिसका नाम उन्होंने वीर रखा है। शादी के बाद अमृता ने फिल्मों से कुछ दूरी बना ली और परिवार को प्राथमिकता दी।

इन दिनों अमृता राव अपने पति आरजे अनमोल के साथ कपल ऑफ थिंग्स नाम का यूट्यूब चैनल चलाती हैं। इस मंच के जरिए वह अपने जीवन से जुड़े अनुभव

शिल्पा शेट्टी की होगी टीवी पर धमाकेदार वापसी, नए शो मां है ना का ट्रेलर जारी

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी का छोटे पर्दे से पुराना नाता रहा है। उन्होंने न सिर्फ बिग बॉस 2 को होस्ट किया था, बल्कि कई डांस रियलिटी शो की जज भी रह चुकी हैं। एक बार फिर अभिनेत्री टीवी की दुनिया में अपने नए रियलिटी शो के साथ लौट रही हैं, जिसका नाम मां है ना है। जी5 ने शो का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो कॉमेडी, अराजकता,अफरा-तफरी और यादों से भरपूर है। शिल्पा इस शो की मेजबानी करती नजर आएंगी। 10 एपिसोड वाले इस शो में आज की युवा पीढ़ी और उनकी मम्मियों के बीच किचन में खींचा-तानी दिखेगी। गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा और बेटी टीना आहूजा भी शो का हिस्सा हैं। उनके अलावा, उर्वशी ढोलकिया, मनीषा रानी, तान्या मित्तल और चंदन समेत कई जाने-पहचाने चेहरे नजर आएंगे। यह सितारे अपने बच्चों और माता-पिता के साथ शो में नजर आएंगे। ट्रेलर देखने के बाद फैंस भी शो के लिए उत्साहित हैं।

19 जून को होगा एक और धमाका, आ रही पिता-बेटे के रिश्ते पर बनी समर्पित: फादर्स लव, जारी हुआ फर्स्ट लुक पोस्टर

पीकू से लेकर दंगल, मासूम तक, हिंदी सिनेमा में पिता और बच्चे के बीच के प्यार को दिखाती कम ही फिल्में बनी हैं, लेकिन जो भी बनी हैं बेहद कमाल की हैं। ये फिल्में दर्शकों को हंसाती भी हैं, रुलाती भी हैं और मोटिवेट भी करती हैं। दर्शकों से भी इन फिल्मों को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है और आज भी इन्हें काफी पसंद किया जाता है। अब जल्दी ही पिता और बच्चे के प्यार पर बनी एक और फिल्म दर्शकों के बीच दस्तक देने जा रही है। खास बात तो ये है कि ये फिल्म फादर्स डे के मौके पर ही रिलीज होगी। यानी इस फादर्स डे पर आप पिता और बच्चे के प्यार को दिखाती एक नई फिल्म का लुत्फ उठा सकते हैं। ये फिल्म है समर्पित: फादर्स लव, जिसका फर्स्ट पोस्टर भी आउट हो चुका है और पोस्टर जारी होते ही ये फिल्म चर्चा में आ गई है।

इंडियन मोशन प्रिंसिपल्स प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन, अंधेरी में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान नायशा फिल्म्स के बैनर तले निर्मित आगामी हिंदी फिल्म समर्पित: फादर्स लव का पोस्टर लॉन्च हुआ। फिल्ममेकर साक्षी यादव द्वारा निर्मित और एक्सहान खान के निर्देशन में बनी यह फिल्म पिता और बेटे के के अटूट और गहरे संबंधों की एक ऐसी कहानी है, जो दिल को छू लेती है। फिलहाल इस फिल्म का पोस्टर ही जारी हुआ है और ये अभी से चर्चा में आ गई है। फिल्म का पोस्टर बेहद भावुक और दिल को छू लेने वाला है। पोस्टर में नजर आ रहे अंकित यादव के चेहरे पर एक पिता के संघर्ष की कहानी साफ-साफ देखी जा सकती है।

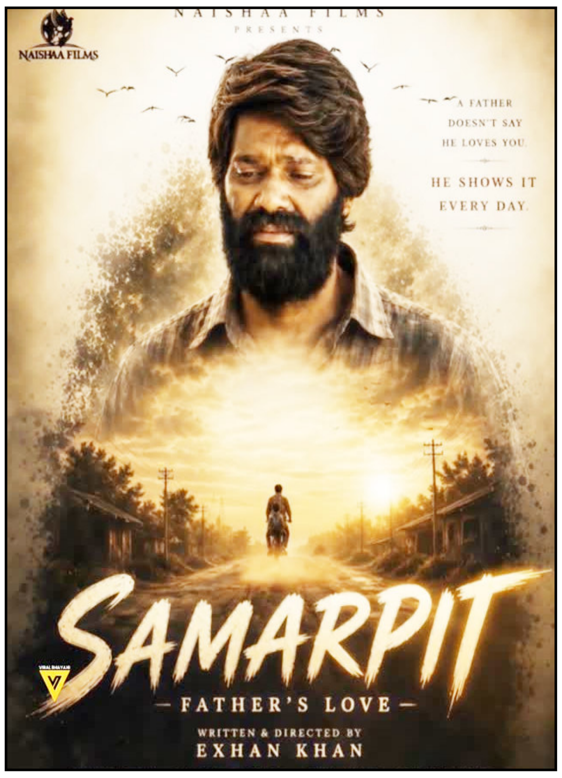

बॉलीवुड में अक्सर मां के त्याग को केंद्र में रखा जाता है और ऐसी कम ही फिल्में देखने को मिलती हैं, जो पिता के प्यार को परिभाषित करती हो। लेकिन, यह फिल्म उस मौन संघर्ष और सुरक्षा के घेरे को समर्पित है जिसे एक पिता बिना किसी दिखावे या शोर-शराबे के अपने परिवार के इर्द-गिर्द बुनता है। इस फिल्म में अंकित यादव लीड रोल में नजर आएंगे, जिन्होंने एक पिता की भूमिका निभाई है। अंकित यादव के साथ जया भट्टाचार्य, जावेद हैदर, प्रशिका शर्मा, देव व्यास और मीत वर्मा जैसे कलाकार भी इस फिल्म में नजर आएंगे। ये फिल्म इसी फादर्स डे से पहले यानी 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसके जरिए मेकर्स पिता के उस अनकहे संघर्ष को एक नई पहचान देगी जिसे अक्सर अनसुना कर दिया जाता है। अंकित यादव और निशा अली द्वारा लिखित इस कहानी को श्री सिंधु, अग्नि वरण, बिस्वजीत घोष और फराज अहमद ने म्यूजिक दिया है।

जैकी श्रॉफ की हॉरर फिल्म खेती का पोस्टर जारी, पहली झलक में दिखा डर और रहस्य का खौफनाक संसार

बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ की अपकमिंग फिल्म 'खेती' का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। पोस्टर सामने आते ही सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पहली झलक से साफ है कि यह फिल्म हॉरर, सस्पेंस और रहस्य से भरपूर होने वाली है। पोस्टर में दिखाई गई डरावनी थीम ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म का पोस्टर किसी गांव की जीवन पर

आधारित कहानी की ओर इशारा करता है। चारों तरफ फैले खेत और उनके बीच उभरता एक रहस्यमयी चेहरा पूरे पोस्टर को बेहद खौफनाक बना रहा है। चेहरे को पूरी तरह साफ नहीं दिखाया गया है, जिससे सस्पेंस और भी बढ़ गया है। 'खेती' का पोस्टर रिलीज होते ही फैंस इसके पीछे छिपी कहानी को लेकर अलग-अलग अंदाजे लगाने लगे हैं। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स का मानना है कि फिल्म किसी पारिवारिक रहस्य, पुराने श्राप या गांव से जुड़े डरावने इतिहास के इर्द-गिर्द घूम सकती है। पोस्टर में इस्तेमाल किए गए डार्क कलर टोन और खेतों का माहौल फिल्म को अलग पहचान दे रहा है। फैंस का कहना है कि लंबे समय बाद किसी हिंदी हॉरर फिल्म का पोस्टर इतना इंटेंस और सस्पेंसफुल नजर आया है। फिल्म 'खेती' में जैकी श्रॉफ के साथ शरद केलकर भी अहम भूमिका में दिखाई देंगे। वहीं टीवी इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री नेहा सरगम इस फिल्म से बड़े पर्दे पर कदम रखने जा रही हैं। इसके अलावा फिल्म में वीरेंद्र सक्सेना और शाजी चौधरी भी महत्वपूर्ण किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म की स्टार कास्ट को देखकर दर्शकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। हालांकि मेकर्स ने अभी तक फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा नहीं की है, लेकिन पोस्टर रिलीज के बाद से ही फिल्म चर्चा में आ गई है।

गमले में आसानी से उगाएं लेमन बाम, जानें आसान तरीका

लेमन बाम एक खुशबूदार और सेहत के लिए फायदेमंद पौधा है, जिसे आप अपने घर के आंगन या बालकनी में गमले में आसानी से उगा सकते हैं। यह पौधा न केवल आपके घर को हरा-भरा बनाता है, बल्कि कई स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भी भरपूर होता है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे आप गमले में लेमन बाम उगा सकते हैं और उसकी देखभाल कैसे कर सकते हैं।

सही गमला चुनें

लेमन बाम के पौधे के लिए सही गमला चुनना बहुत जरूरी है। गमले का आकार इतना बड़ा होना चाहिए कि उसमें पौधे की जड़ें अच्छी तरह से फैल सकें। मिट्टी में पानी का बहाव होना भी जरूरी है ताकि जड़ें खराब न हों। प्लास्टिक या मिट्टी के गमले दोनों ही अच्छे विकल्प हो सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि गमले में नीचे छेद होना चाहिए ताकि पानी का बहाव हो सके।

अच्छी मिट्टी का उपयोग करें

लेमन बाम के पौधे के लिए अच्छी मिट्टी का उपयोग करना जरूरी है। ऐसी मिट्टी जिसमें कीड़े-मकोड़े न हों और जो पोषक तत्वों से भरपूर हो। आप अपने गमले में जैविक खाद मिलाकर भी उपयोग कर सकते हैं ताकि मिट्टी अधिक उपजाऊ बने। इसके अलावा मिट्टी को नरम रखने के लिए उसमें थोड़ा-थोड़ा रेत भी मिला सकते हैं। इससे पौधे की जड़ें अच्छी तरह से फैल सकेंगी और उन्हें पर्याप्त पोषण मिलेगा।

धूप और छांव का संतुलन बनाए रखें

लेमन बाम का पौधा धूप और छांव दोनों ही प्रकार की जगहों पर अच्छे से बढ़ता है। सुबह की हल्की धूप और दोपहर बाद की छांव इस पौधे के लिए आदर्श होती है। अगर आप इसे सीधे धूप में रखेंगे तो इसके पत्ते जल सकते हैं, इसलिए ध्यान रखें कि पौधे को ऐसी जगह रखें जहां उसे रोजाना 4-5 घंटे की हल्की धूप मिले। इससे पौधा स्वस्थ रहेगा और अच्छे से बढ़ेगा।

नियमित पानी दें

लेमन बाम के पौधे को नियमित रूप से पानी देना जरूरी है, लेकिन ध्यान रखें कि अधिक पानी देने से जड़ें खराब हो सकती हैं। इसलिए सप्ताह में 2-3 बार ही पौधे को हल्का पानी दें। बारिश के मौसम में पौधे को अधिक पानी देने की जरूरत नहीं होती, बस मिट्टी को नम रखें ताकि पौधा स्वस्थ रहे। इसके अलावा गमले के नीचे से पानी का बहाव होना भी जरूरी है ताकि जड़ें खराब न हों।

समय-समय पर छंटाई करें

पौधे की छंटाई करना बहुत जरूरी है ताकि वह घना और स्वस्थ रहे। समय-समय पर इसकी शाखाओं और पत्तियों को काटते रहें ताकि नए पत्ते निकल सकें। इस प्रक्रिया से पौधा ज्यादा फलदार बनेगा और उसकी गुणवत्ता भी बेहतर होगी। इसके अलावा छंटाई करने से पौधे का आकार भी नियंत्रित रहता है और वह ज्यादा सुंदर दिखता है। इस तरह आप आसानी से अपने घर पर लेमन बाम का पौधा उगा सकते हैं।

गर्मी के दिनों में रोजाना प्याज खाना सही होता है? जानें इसका सेहत पर क्या असर पड़ता है

गर्मी के दिनों में सेहत का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है. कई बार लोग ज्यादा गर्मी होने के कारण लू की चपेट में आ जाते हैं. जिससे लूज मोशन, उल्टी, घबराहट जैसी समस्या होने लगती है. इससे बचने के लिए कुछ लोग तुरंत दवाइयों का सेवन कर लेते हैं. लेकिन जरूरत से ज्यादा दवाई खाना सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है. अगर आपको घबराहट, बेचैनी से छुटकारा पाना है, तो आप रोजाना खाने के साथ प्याज का सेवन कर सकते हैं. इससे शरीर को अनेक फायदे होंगे. आइए जानते हैं इसके फायदो के बारे में.

प्याज के फायदे

गर्मियों में प्याज का सेवन करना सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना गया है. प्याज में कैलोरी कम होती है और पानी की मात्रा अधिक होती है जिससे यह गर्मी के दिनों में शरीर को हाइड्रेट रखने में काफी मदद करता है. बता दें कि प्याज में विटामिन सी, पोटेशियम और फाइबर जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो गर्मी के दिनों में लू से बचते हैं. प्याज में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं.

खून को करेगा साफ

प्याज का इस्तेमाल सदियों से आयुर्वेदिक उपचार के लिए भी किया जाता है यह खून को साफ करता है और पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है. कुछ लोगों को गर्मी के दिनों में सर्दी खांसी या पेट खराब जैसी समस्या होती है इससे राहत पाने के लिए आप प्याज का सेवन कर सकते हैं. लेकिन जरूरत से ज्यादा प्याज खाने से मुंह में छाले और गले में जलन जैसी समस्या हो सकती है.

इन बातों का रखें ध्यान

यही नहीं कुछ लोगों को इससे एलर्जी हो सकती है जिससे त्वचा पर लाल दाने पेट में दर्द जैसी समस्या होने की संभावना रहती है. अगर प्याज का सेवन करने के बाद आपको किसी प्रकार की कोई समस्या होती है, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें. इसलिए गर्मी के दिनों में रोजाना लिमिटेड मात्रा में प्याज का सेवन करें.

शहद खाने से पहले इस तरह कर लें उसकी शुद्धता की पहचान

शहद सेहत के लिए अमृत जैसा है, लेकिन अगर यही शहद असली के बजाय नकली मिल जाए, तो जगह का काम भी कर सकता है. आइये जानते शहद की शुद्धता को जांचने के लिए आसान तरीके.

शहद को चीनी का एक बेहतरीन विकल्प माना जाता है. फिर भी इसे खाने में डर लगता है क्योंकि कमी शहद में नहीं है, बल्कि समस्या इसके गुणवत्ता की है. बिना मिलावट वाला शहद ढूंढना काफी चुनौतीपूर्ण काम है. इसलिए हम आपको कुछ तरीके बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप अपने शहद के शुद्धता की जांच कर सकते हैं.

थम्ब टेस्ट -अपने अंगूठे पर थोड़ा शहद लें और ध्यान से देखें कि क्या यह किसी दूसरे लिक्विड पदार्थ की तरह उंगली के चारों ओर फैल रहा है. अगर ऐसा होता है, तो समझ जाइये कि यह शुद्ध नहीं है.

वॉटर टेस्ट -एक चम्मच शहद लें और एक गिलास पानी में डालें. नकली शहद घुल जाएगा, जबकि शुद्ध शहद गिलास के निचले भाग में जम जाएगा.

फ्लेम टेस्ट- शुद्ध शहद ज्वलनशील होता है. लेकिन हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप इस टेस्ट को बहुत ही सावधानी के साथ और अपने जोखिम पर करें.

सिरके का प्रयोग करें- एक बड़ा चम्मच शहद, थोड़ा पानी और सिरके की 2-3 बूंदें मिलाएं. अगर इस मिश्रण में झाग बनता है, तो इसके मिलावटी होने की संभावना है. हीट टेस्ट- अगर आप शुद्ध शहद को गर्म करते हैं, तो यह कैरामेलाइज़ हो जाएगा और झागदार नहीं बनेगा. वहीं अगर यह अशुद्ध होगा, इसे गर्म करने पर यह बुलबुलेदार हो सकता है.

वेट लॉस करने के हिसाब से हर रोज कितना पानी पीना चाहिए?

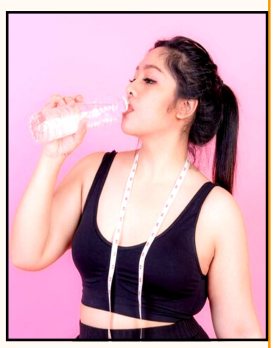

पानी शरीर के लिए बेहद जरूरी तत्व है. पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर हाइड्रेटेड रहता है. सिर्फ इतना ही नहीं अगर आप भरपूर मात्रा में पानी पीते हैं तो कई सारी बीमारियों का खतरा भी कम होता है. पानी हमारे शरीर से गंदगी निकलाने का भी काम करती है. आपका शरीर एक्टिव रहेगा और आप पूरे दिन एनर्जेटिक महसूस करते हैं.

पानी पीने से वेट लॉस करने में मदद मिलती है. यह तेजी से कैलोरी बर्न भी करती है. लेकिन क्या आप जानते हैं वेट लॉस करने के लिए कितना पानी पीना है जरूरी है? आज हम इस आर्टिकल में विस्तार से जानेंगे कि वजन कम करने के दौरान किस तरीके से पानी पीना है जरूरी.

वेट लॉस के लिए पानी पीना क्यों फायदेमंद है?

पानी पीने से शरीर की गंदगी निकलती है. जिससे बीमारियों का खतरा भी कम होता है. सवाल यह उठता है कि वेट लॉस के लिए कितना पानी पीना है जरूरी. हर इंसान के जरूरत पर निर्भर करता है कि उन्हें कितना पानी पीना चाहिए. शरीर के टॉक्सिन्स को बाहर निकालने के लिए पानी पीना बेहद जरूरी है.

वेट लॉस के लिए पानी कैसे पीना चाहिए

हल्का गर्म पानी पिएं

अगर आप वजन कम करने की सोच रहे हैं तो ठंडा पानी नहीं बल्कि खाली पेट गुनगुना पानी जरूर पिएं. इससे पेट की गर्मी शांत होती है साथ वजन घटाने में भी आसानी होती है. इसकी जगह आप सादा या हल्का पानी पी सकते हैं. गुनगुना पानी पीने से कैलोरी बर्न होती है.

एक साथ बहुत सारा नहीं बल्कि थोड़ा-थोड़ा पानी पिएं

आयुर्वेद के मुताबिक एक बारे में ढेर सारा पानी नहीं पीना चाहिए. ऐसे पीने से बॉडी की हाइड्रेशन मेंटेन रहती है. साथ ही पाचन तंत्र भी अच्छा रहता है. इसलिए एक बार में कई गिलास पानी कभी भी नहीं पीना चाहिए. ढेर सारा पानी पीने के बजाय थोड़ा-थोड़ा पानी पीना चाहिए.

खाने से पहले पानी पिएं

खाना खाने से पहले ढेर सारा पानी पीना चाहिए. इससे आप ज्यादा कैलोरी इनटेक नहीं कर पाते हैं. और पाचन क्रिया भी तेज होती है. सिर्फ इतना ही नहीं कब्ज का खतरा भी कम रहता है. भूख कंट्रोल में रहती है और आप ओवरईटिंग करने से बचते हैं. आयुर्वेद के मुताबिक अगर आप खाना खाने से पहले पानी पी रहे हैं तो खाने से 30 मिनट पहले पानी पिएं.

देश की प्रगति और विकास के लिए समर्पित रहा पीएम मोदी का 12 वर्ष का कार्यकाल: धामी

देहरादून ,संवाददाता। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पीएम मोदी के सर्वाधिक बतौर निर्वाचित प्रधानमंत्री कार्यकाल देश की प्रगति और विकास के लिए समर्पित रहा है। यह कालखंड आत्मविश्वास से भरा, सुरक्षित और विश्व में श्रेष्ठता स्थापित करने का कालखंड रहा है। जहाँ तक उत्तराखंड का प्रश्न है तो उत्तराखंड से लगाव के चलते इसका लाभ भी सामने आया और राज्य में बड़े बदलाव को लेकर आया है। पीएम का कार्यकाल देश और प्रत्येक देवभूमिवासी के लिए गौरवमयी और आनंददायक पलों को लेकर आया है। पार्टी प्रदेश मुख्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष के सफल और शानदार पूरा होने के अवसर पर मीडिया संवाद का कार्यक्रम मे उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इन 12 वर्षों में न केवल सबसे लंबे समय तक निर्वाचित पीएम बनने का रिकॉर्ड ही नहीं बनाया, बल्कि बल्कि लंबे समय से विकासशील देश की अवधारणा पर अटके भारत को विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाया है। इस दौरान जनता ने 2014, 2019 और 2024 में लगातार तीसरी बार आशीर्वाद देकर साबित किया कि देश अब 'नारे नहीं, काम पर वोट' देता है। आज भारत आत्मविश्वास से भरा, सुरक्षित और विश्व में सम्मानित राष्ट्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि देश ने वह दौर देखा है जब विशेषकर कांग्रेस के शासन में योजनाएं कागजों पर बनती थीं। लेकिन मोदी सरकार में योजनाएं बनती भी है और जमीन पर उतरती भी हैं। पहले सरकारें शिलान्यास करती थीं और अगली पीढ़ियां उ?द्घाटन का इंतजार करती थीं। लेकिन मोदी जी के नेतृत्व में शिलान्यास और उद्घाटन दोनों देखने को मिल रहे हैं। सीएम ने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक गरीब हटाने के नारे दिए, लेकिन सिर्फ अपने नेताओं की गरीबी हटाई लेकिन मोदी जी ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का अभूतपूर्व काम किया, जिसे दुनिया भी अचंभित होकर तारीफ कर रही है। विपक्ष विशेषकर कांग्रेस की सरकारों में न विकास हुआ और न ही गरीबों की दशा में परिवर्तन, क्योंकि उनके समय भ्रष्टाचार व्यवस्था का हिस्सा बना हुआ था। जबकि मोदी सरकार

ने डिजिटल क्रांति की और डीबीटी के माध्यम से 4.31 लाख करोड़ गलत हाथों में जाने से बचाए। इसी का नतीजा है कि यह पैसा जरूरतमंदों के पास गया और विकास की गति बढ़ाने वाली योजनाओं में वापिस लौटा। आज हम दुनिया में सबसे अधिक डिजिटल लेन देन करने वाले देश बन गए हैं जो बड़े बड़े देशों के लिए आज भी चमत्कार से कम नहीं है। उन्होंने पीएम मोदी के गौरवमयी कार्यकाल में हुए देश के धार्मिक सांस्कृतिक पुनरोत्थान का जिक्र करते हुए कहा कि अब से पहले की विपक्षी सरकारों ने लगभग 6 दशक तक राम मंदिर निर्माण के प्रश्न को टालते रहे। लेकिन मोदी जी ने श्री राम जन्म भूमि मंदिर ही नहीं, काशी, श्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, उज्जैन महाकाल, सोमनाथ आदि तमाम पावन स्थलों का विकास कर, सांस्कृतिक आस्था और राष्ट्रीय गौरव दोनों का सम्मान किया।

उन्होंने पूर्व की सरकारों द्वारा स्थित राजनीति की मूल अवधारणा में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राजनीति तुष्टिकरण और वोट बैंक तक सीमित रही, जबकि मोदी सरकार की नीति तुष्टिकरण की नहीं संतुष्टीकरण की है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की प्राथमिकता का प्रमाण है कि दूसरी बार शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री जी का पहला हस्ताक्षर किसान सम्मान निधि की फाइल पर था। इसी तरह 81 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, 4 करोड़ गरीबों को पक्के मकान और 11 करोड़ माताओं-बहनों को उज्वला योजना का लाभ मिला। जन-धन, आयुष्मान भारत, जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान ने गरीबों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाया है। सीएम ने देश की सुरक्षा नीति में आए जमीन आसमान के फर्क को स्पष्ट करते हुए कहा कि ये नया भारत है जो आतंकवादी घटना पर केवल निंदा भर नहीं करता बल्कि आतंकवाद का जवाब घर में घुसकर देता है। ऑपरेशन सिंदूर, सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक ने दुनिया को भारत की नई सुरक्षा कार्य संस्कृति से परिचय कराया है। एक दशक पहले जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी उस नक्सलवाद की समाप्ति करने में मोदी सरकार सफल हुई है। ऐसे तमाम प्रभावित क्षेत्रों में भय का वातावरण समाप्त हुआ है और विकास का दायरा बढ़ रहा है। जुड़ते भारत, बढ़ते भारत की परिकल्पना का जिक्र करते हुए कहा कि 2014 में देश में 11 किलोमीटर प्रतिदिन सड़क बनती थी, आज 34 किलोमीटर प्रतिदिन से अधिक सड़कें बन रही हैं। इसी तरह डीजल से चलने वाली ट्रेन नहीं बल्कि बिजली से हवा में बात करने वाली वंदे भारत ट्रेनें और अटल टनल, चेनाब ब्रिज और आधुनिक रेलवे स्टेशन नए भारत की पहचान बन गए हैं। आसमान की बात करें तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बन चुका है। सीएम ने उत्तराखंड का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विशेष स्नेह और मार्गदर्शन से राज्य में 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाएं संचालित हैं। केदारनाथ और बदरीनाथ धाम पुनर्विकास ने देवभूमि को वैश्विक आध्यात्मिक मानचित्र पर स्थापित किया है। चारधाम ऑल वेदर रोड, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना और दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर से कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी बदलाव आया है। केदारनाथ एवं हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजनाएं तीर्थयात्रा को नई ऊंचाई देने जा रही हैं। वाइब्रेंट विलेज योजना से सीमांत गांवों में विकास की नई धारा पहुंची है।2.54 लाख रुपए से अधिक महिलाओं का लखपति दीदी बनना प्रदेश मे महिला सशक्तिकरण का प्रमाण है, जिसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को है। माणा गांव जिसे मोदी जी ने सकारात्मक सोच की दृष्टि से पहला गाँव बताया और विकास की धारा को सबसे पहले वहां पहुंचाने का निर्णय लिया। उसी का परिणाम है कि यह देश का पहला गांव आज शतप्रतिशत लखपत दीदी वाला बन गया है। इसी तरह वाइब्रेंट विलेज योजना से सीमावर्ती क्षेत्रों का तेज गति से विकास हो रहा है। कांग्रेस के समय सीमांत गांव खाली हो रहे थे, आज वाइब्रेंट विलेज योजना से वहां फिर से विकास और उम्मीद लौट रही है। इसी तरह पीएम के मार्गदर्शन में एसडीजी इंडेक्स और निर्यात तैयारी सूचकांक में उत्तराखंड का प्रथम स्थान डबल इंजन सरकार की सफलता का प्रमाण है। देश की तरह प्रदेश में भी जिन परियोजनाओं को कांग्रेस दशकों तक फाइलों में दबाकर बैठी रही, उन्हें मोदी जी और धामी जी की डबल इंजन सरकार ने धरातल पर उतारा। जिसका उदाहरण है जमरानी परियोजना, लखवाड़ व्यासी और किसाऊ परियोजना है। उन्होंने राहुल के हालिया दौरे पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं के लिए उत्तराखंड चुनावी पर्यटन का विषय रहा, जबकि प्रधानमंत्री मोदी जी ने इसे अपने आध्यात्मिक और भावनात्मक संबंधों से जोड़ा है। क्योंकि अल्मोड़ा में मौसम खराब था तो पैड़ी में तो साफ था और यदि पहाड़ में नहीं तो देहरादून के मैदानों में तो मौसम साफ था। जबकि वहां तो अगले दिन आना था, लेकिन युवराज का मूड खराब हो गया और वे वापिस लौट गए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि कांग्रेस के 60 वर्षों में जो काम अधूरे रहे, उन्हें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 12 वर्षों में गति, दिशा और परिणाम दिए हैं। आज देश और उत्तराखंड दोनों एक ही विश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने दोनों पार्टियों के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास विरासत में मिली राजनीति है, जबकि भारतीय जनता पार्टी के पास जनता से मिला विश्वास है। यही विश्वास प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत का आधार बन रहा है। हम सभी उत्तराखंडवासियों के सामर्थ्य पर भरोसे से कह सकते है कि विकसित भारत निर्माण के लिए विकसित उत्तराखंड की दिशा में हम मजबूती से बढ़ रहे हैं।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने अपने सम्बोधन में कहा कि हम सभी यहाँ एक ऐतिहासिक अवसर पर एकत्रित हुए हैं, जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और विकसित भारत के संकल्प के 12 वर्ष पूर्ण हुए हैं। यह केवल एक सरकार के 12 वर्ष नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास, वैश्विक प्रतिष्ठा और जन-जन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की गौरवशाली यात्रा के ये 12 वर्ष हैं। इन 12 वर्षों में भारत ने अनेकों क्षेत्रों में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ प्राप्त की हुई हैं। गरीब कल्याण से लेकर महिला सशक्तिकरण, किसानों के उत्थान से लेकर युवाओं के लिए नए अवसर प्रदान करना, आधारभूत संरचना के विस्तार से लेकर डिजिटल क्रांति तक, हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। भारत आज विश्व मंच पर एक मजबूत, सक्षम और निर्णायक नेतृत्व वाले राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है। जहां तक सवाल है उत्तराखंड का तो हमारे लिए भी ये 12 वर्ष विशेष महत्व रखते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी के नेतृत्व में प्रदेश विकास, निवेश, पर्यटन, कनेक्टिविटी, रोजगार और सांस्कृतिक गौरव के नए आयाम स्थापित कर रहा है। आज उत्तराखंड विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

गंगा घाट से चोरी हुई चार माह की मासूम 16 दिन बाद बरामद, दंपति और बाबा गिरफ्तार

हरिद्वार ,संवाददाता । गंगा घाट से चोरी हुई चार माह की मासूम बच्ची को हरिद्वार पुलिस ने 16 दिन बाद सकुशल बरामद कर लिया। मामले में पति-पत्नी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि एक आरोपी दीपक फरार चल रहा है। जांच में खुलासा हुआ कि तीन लाख रुपये के लालच में लड़का चोरी करने की साजिश रची गई थी, लेकिन आरोपी अंधेरे में बच्ची को उठा ले गए। एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि संभल निवासी पुष्पेंद्र 27 मई को अपने परिवार के साथ गंगा स्नान के लिए हरिद्वार आए थे। रात में परिवार हाथी पुल के समीप विष्णुघाट पर एक पेड़ के नीचे सो गया। तड़के उनकी चार माह की बेटी चोरी हो गई। सूचना पर कोतवाली नगर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विशेष टीम गठित की। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल की। जांच में एक दंपति पहले एक बच्चे और बाद में दो बच्चों के साथ बस में सवार होता दिखाई दिया। पुलिस ने बस चालक और परिचालक से पूछताछ की तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पता लगाया कि संदिग्ध धामपुर होते हुए हावड़ा जाने वाली ट्रेन में सवार हुए थे। पुलिस ने धामपुर से हावड़ा के बीच पड़ने वाले 65 रेलवे स्टेशनों तक सूचना भेजकर छानबीन की, लेकिन कोई ठोस सुराग नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने जांच का एंगल बदलते हुए संदिग्धों के हरिद्वार आने-जाने के रास्तों को खंगाला। सीसीटीवी फुटेज की कड़ियां जोड़ने पर पुलिस ब्रह्मपुरी क्षेत्र में झाड़-फूंक करने वाले सत्यपाल उर्फ सत्यपाल बाबा तक पहुंची। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो पूरे घटनाक्रम का खुलासा हो गया। उसकी निशानदेही पर लाल बहादुर पुत्र कन्हैया लाल निवासी नगरिया, थाना जसवंतनगर, जनपद इटावा (उत्तर प्रदेश) तथा उसकी पत्नी प्रीति रानी को गिरफ्तार कर लिया गया। इनके कब्जे से चार माह की मासूम बच्ची सकुशल बरामद कर ली गई। मामले में सत्यपाल पुत्र विजय सिंह निवासी ग्राम सैदाबाद, कोतवाली लक्सर, हरिद्वार, लाल बहादुर और उसकी पत्नी प्रीति रानी को गिरफ्तार किया गया है। वहीं प्रीति रानी का भाई दीपक अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

आईपी 2026 मानकों पर फार्मा उद्योग को किया गया प्रशिक्षित, 1 जुलाई से लागू होंगे नए नियम

हरिद्वार । आईपीसी और एसोसिएशन ऑफ देवभूमि फार्मा इंडस्ट्रीज की ओर से बुधवार को सिडकुल में फार्मा उद्योगों के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान विभिन्न जिलों से पहुंचे ड्रग विभाग के अधिकारियों को सम्मानित भी किया गया। सम्मेलन में दवाओं के उत्पादन की गुणवत्ता, शुद्धता और सुरक्षा को बेहतर बनाने पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि आईपीसी के वैज्ञानिक निदेशक डॉ. वी.कलेसेल्वन ने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा द्वारा लॉन्च किए गए आईपी 2026 के नए मानक आगामी एक जुलाई से देशभर में लागू कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि नए नियम लागू होने के बाद सभी दवा निर्माता कंपनियों के लिए अपग्रेड किए गए मानकों और मोनोग्राफ का पालन करना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि इन मानकों से भारतीय दवाओं की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को और मजबूती मिलेगी।उत्तराखंड के ड्रग कंट्रोलर ताजबर सिंह ने कहा कि देश में निर्मित प्रत्येक प्रकार की दवा के लिए निर्धारित मानक लागू होते हैं, जिनका नियंत्रण इंडियन फार्माकोपिया द्वारा किया जाता है।

स्वामी,मुद्रक व प्रकाशक अवनीश कुमार द्वारा भगवती प्रिंटर्स,इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार से छपवाकर ग्रा. बसवाखेड़ी पो. मंगलौर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।
सम्पादक: अवनीश कुमार, मो० 9410553400
ई-मेल: liveskgnews@gmail.com
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय में ही होगा)
सभी लेखों में सम्पादक की सहमति जरूरी नही है।